40 दिन की प्रार्थना

वाचा!

बच्चों के लिए

अनुग्रह	प्रिय परमेश्वर पिता मुझसे प्रेम करने और मुझे अपनी एक संतान बनाने के लिए आपका धन्यवाद।
प्रेम	आपसे प्रेम और आज्ञापालन करने में मेरी सहायता करें।
करुणा	जिस प्रकार मुझसे प्रेम करते हैं वैसे ही दूसरों से प्रेम करने मैं मेरी सहायता करें।
पश्चात्ताप	मैं अपने पापों के लिये क्षमा चाहता हूं। मुझे धोकर शुद्ध करें।
आराधना	मैं अपने पूर्ण हृदय से आपकी स्तुति करूंगा!
समर्पण	यीशु मैं आपको प्रभु मानकर आपका अनुसरण करना चाहता हूं। जैसे चाहें वैसे मुझे बदलें।
निर्भरता	मुझे अपने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण करें।
प्रभाव	मुझे अपने अनुग्रह, सत्य और न्याय का एक साधन बनाएं।
शिष्यता	आपकी महिमा और दूसरों को आप तक लाने के लिए मुझे उपयोग करें।
अधिकार	यीशु के नाम में मैं प्रार्थना करता हूं। आमीन!

40 दिन की प्रार्थना

वाचा!

बच्चों के लिए

संदर्भ

1 यूहन्ना 3:1
पिता ने हम से कैसा प्रेम किया है कि हम परमेश्वर की सन्तान कहलाएं।

मत्ती 22:37,38
तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख बड़ी और मुख्य आज्ञा तो यही है।

यूहन्ना 15:12
मेरी आज्ञा यह है, कि जैसे मैंने तुमसे प्रेम रखा, वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रखो।

भजन संहिता 51:2
मुझे भली-भांति धोकर मेरा अधर्म दूर कर, और मेरा पाप छुड़ाकर मुझे शुद्ध कर।

भजन संहिता 9:1
हे यहोवा परमेश्वर, मैं अपने पूरे मन से तेरा धन्यवाद करुंगा; मैं मेरे सब आश्चर्यकर्मों का वर्णन करूंगा।

यूहन्ना 13:13
तुम मुझे 'गुरु' और 'प्रभु' कहते हो, और ठीक ही कहते हो, क्योंकि मैं वही हूं।

इफिसियों 5:18ब
आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ।

यूहन्ना 1:14
वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा।

मत्ती 28:19
इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ; और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।

फिलिप्पियों 2:9
इस कारण परमेश्वर ने उसको अति महान भी किया, और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है।

बच्चों के लिये प्रार्थना वाचा की सामर्थ

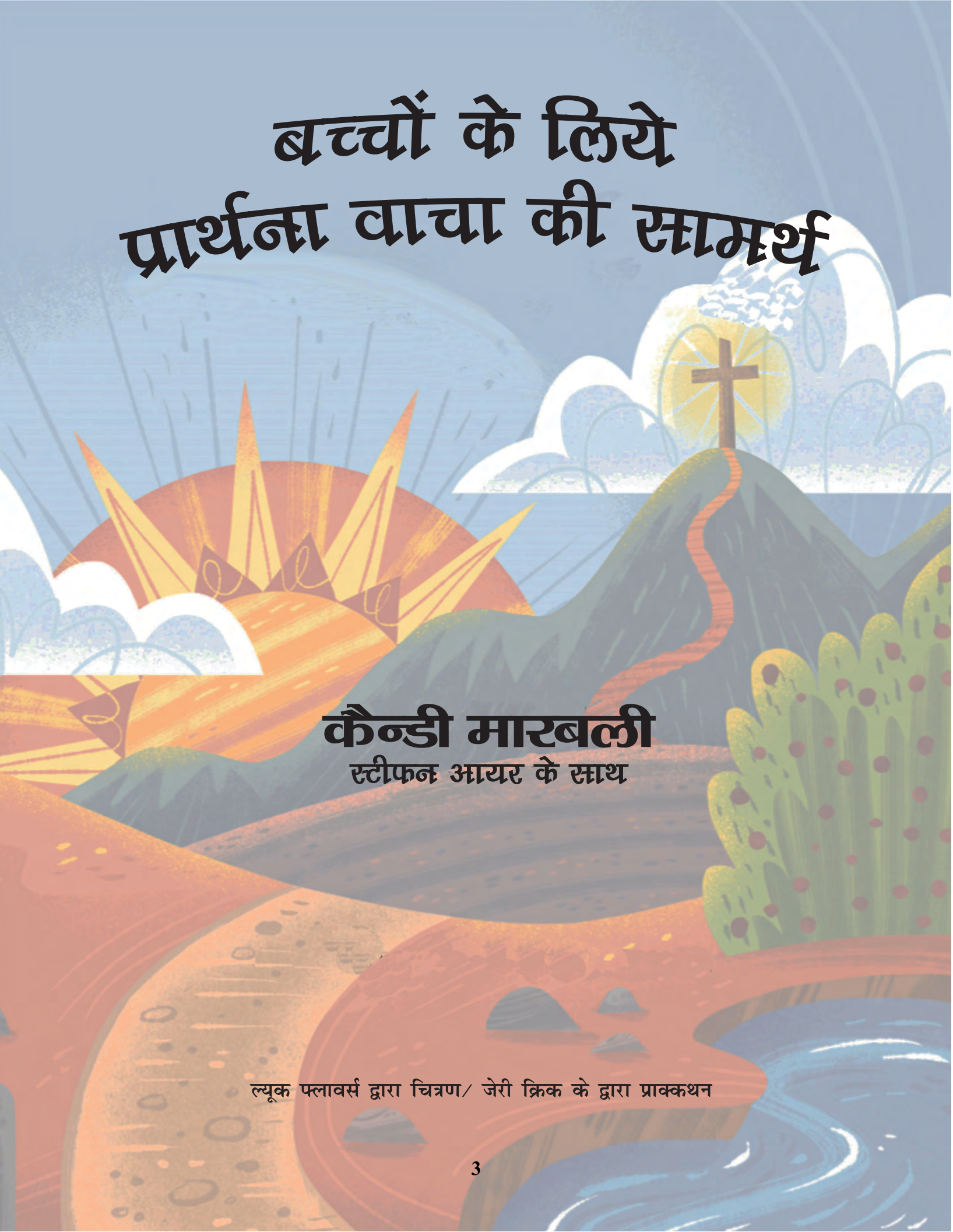

कैन्डी मारबली

स्टीफन आयर के साथ

ल्यूक फ्लावर्स द्वारा चित्रण/ जेरी क्रिक के द्वारा प्राक्कथन

40 Day Prayer Covenant Inc.
P.O. Box 40841
Cincinnati, OH 45240
www.theprayercovenant.org

Copyright © 2014 by Candy Marballi. All rights reserved.

All rights reserved. No part of this book may be produced by any means, electronic, mechanical, photocopying, scanning, or otherwise without permission in writing from the publisher, except by a reviewer, who may quote passages in a review. The 40 Day Prayer Convenant Card may be copied but not altered, edited, or amended and is also available online with free downloads at **www.theprayercovenant.org.**

Materials to supplement *The Power of the Prayer Convenant for Kids* are available at www.theprayercovenant.org, including free multiple-language versions of *The 40 Day Prayer Covenant Kids' Version* cards and full color Worksheets. Special discounts are available for bulk purchases.

Unless otherwise stated, biblical quotations are taken from THE HOLY BIBLE, NEW INTERNATIONAL VERSION®, NIV®
Copyright © 1973, 1978, 1984, 2011 by Biblica, Inc.™ Used by permission. All rights reserved worldwide.

Design by Sound Press

ISBN 978-0-9899525-1-4

Printed in India by www.devtechprinters.com

अनुमोदन

40 दिन की प्रार्थना वाचा के व्यस्क संस्करण से प्रार्थना करना मेरे जीवन को बदल रहा है। अब, मैं यह प्रतीक्षा नहीं कर सकता कि अपने जीवन में बच्चों को, परमेश्वर के वचन को अपने हृदयों में रखने और दैनिक रुप से प्रार्थना करने को प्रोत्साहित करुं। एक साथ मिलकर यात्रा करने में हमारी सहायता के लिए यह कितना अद्भुत उपकरण है।

– **बेका बोसवेल,** एस आई एल इंटर मिशन ग्लोबल प्रेयर कोर्डिनेटर

बच्चों के लिए प्रार्थना वाचा की सामर्थ, एक समयानकूल स्त्रोत है जो उस अग्नि को भड़काएगा जो कि प्रार्थना में बच्चों के हृदयों में पहले से जल रही है।

–**इरमा चोन,** बच्चों के पास्टर, चिल्ड्रन इन प्रेयर के अध्यक्ष

बच्चों के लिए प्रार्थना वाचा की सामर्थ प्रार्थना के द्वारा मसीह के राज्य को बढ़ाने के लिए मिशन में बच्चों के हृदयों को जोड़ने की एक निर्भीक चुनौती है। इस तरह के प्रभावी उपकरण के लिए धन्यवाद कैंडी।

– **गेरी एल. फ्रोस्ट** मुख्य अध्यक्ष, मिडवैस्ट मिशन और प्रेयर नोर्थ अमेरिकन मिशनबोर्ड

बच्चों के लिए प्रार्थना वाचा की सामर्थ एक अद्भत अलग प्रकार की पुस्तक है। इसकी केद्रित होने की सामर्थ, पूर्ण स्पष्टता और संपूर्ण सादगी इसे मसीह की देह के लिए एक महान दान बनाती है। मेरा विश्वास है कि परमेश्वर इस पुस्तक का उपयोग उत्साहपूर्वक प्रार्थना करनेवाले बच्चों की एक पीढ़ी को आगे लाने में करेगा, जो परमेश्वर के वचन में रोप गए और मसीह की महिमा के लिए अभिषिक्त सेवकाई में उन्मुक्त किये गए होंगे। एक पिता, और प्रार्थना के पास्टर दोनों ही रुपों में मैं इस पुस्तक को सर्वोच्चता से अनुमोदित करता हूं। आइये प्रार्थना के स्थान में अपने बच्चों के साथ यीशु के पीछे- पीछे चलें।

–**डॉ जेसन हब्बर्ड,** लाईट ऑफ द वर्ल्ड प्रेयर सेन्टर के अध्यक्ष

संसार भर के बच्चों के लिए यह पुस्तक सुन्दरता से उद्धरित और लिखित प्रार्थना मार्गदर्शिका और कलीसियाओं, स्कूलों तथा परिवारों के लिए निश्चित रुप से एक स्त्रोत भी है। यह आकर्षक और व्यावहारिक दोनो ही है।

–**रॉबर्ट ए. मैकडॉनल्ड** प्रोक्टर एण्ड गेंबल कंपनी के सेवानिवृत चेयरमैन अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारी

अनुमोदन

बच्चों के लिए प्रार्थना वाचा की सामर्थ उस अग्नि को जलानेवाली है जो पहले से प्रार्थना पर मेरे घर में जल चुकी है। मैं अपने परिवार और दूसरों में इस पुस्तक की गतिशीलता को देखने की प्रतीक्षा नहीं कर सकता। प्रार्थना का अनुशासन और वह परिचर्चा जो इस पुस्तक के द्वारा अनेक बच्चे करेंगे उसने मुझे अन्य बहुतों को बताने और उन्हें आमंत्रित करने को प्रेरित किया है।
-**सीन मैके, सेल्स,** लाइनक्स इंटरप्राइस एण्ड लाइनक्स केमिकल्स ऑफ डेटन के जी. एम अध्यक्ष, चार बच्चों के पिता:

प्रार्थना वह अत्यन्त सामर्थी साधन है जो हम अगली पीढ़ी को दे सकते हैं। यह वाचा हमें बच्चो को यीशु मसीह के प्रभुत्व को स्वीकारने को अनुमति देती है। इससे हमारी पीढ़ी तैयार हुयी है। मेरे बच्चे आशीषित हुये है और मैं मानता हूं कि ऐसा आपके बच्चों के साथी भी होगा।
-**रेव्ह. कर्टिस मोक,** हैमिलटन क्रिश्चियन सेन्टर के सहायक पास्टर

मुझे खुशी है कि प्रार्थना वाचा अब बच्चों के लिए तैयार हो गयी है कि वे अपने प्रार्थना जीवन में इसे उपयोग करें। मैं चाहता हूँ कि प्रार्थना वाचा का अत्यन्त महत्वपूर्ण उपयोग संसार भर के बच्चों को प्रार्थना पूर्ण जीवन जीने हेतू तैयार किये जाने में किया जाए। इसलिए हम ऊंची आवाज में कह सकते हैं, ''आओ बच्चों, प्रार्थना और परमेश्वर की आराधना करना सीखें।
-**डॉ. लोऊ शिरे,** कलर्गी डवलपमेंट/प्रेयर मिनिस्ट्री, इंटरनेशनल होलिनस चर्च के अध्यक्ष

बच्चों के लिए प्रार्थना वाचा की सामर्थ परमेश्वर के प्रेमी चरित्र और बच्चों की प्रिय पुत्रों और पुत्रियों के रुप में पहचान को अद्‌भुत रुप से बढ़ाती है जो पवित्र आत्मा के द्वारा, स्वर्ग की बातों को सुनने और यीशु के नाम के अधिकार से, एक होकर, उसे पृथ्वी पर उनमुक्त करने में सामर्थ है।
-**केटी स्टीले,** वर्ल्ड प्रेयर सेंटर मेम्बर ऑफ 4/14 मूवमेन्ट की बाल अध्यक्षा

यह पुस्तक बच्चों के लिए केवल यह पढ़कर सीखने का एक महान उपकरण नहीं है कि कैसे प्रार्थना करें, यह सरल है, समझने में आसान और माता-पिता व अगुवों के लिए बच्चों को यह सिखाने हेतू एक महान स्रोत भी है कि वे प्रार्थना के शिष्य बनें। इसे प्रार्थना वाचा के व्यस्क संस्करण के साथ व इतना कसकर बांधा गया है कि यह परिवारों के लिए एक साथ और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करने को सरल बनाती है, और उसी के साथ-साथ कि इस प्रार्थना को अपने स्थानीय समुदायों तक कैसे बढ़ाएं यह भी सिखाती है। यह बहुत बड़ा काम है!
-**फोर्ड टेलर,** एफ. एस. एच. ग्रुप ट्रांसफोर्मेशनल लीडरशिप

अनुमोदन

प्रार्थना की आवश्यकता, कैसे प्रार्थना करें, और प्रार्थना की सामर्थ को बच्चों को सिखाना, कितना अधिक जीवन बदल देने वाला है! प्रार्थना के महत्व के साथ-साथ यह, पुस्तक बच्चों को उनके प्रति परमेश्वर के प्रेम और आज्ञाकारिता के महत्व के बारे में भी सिखाती है।

-थॉमस ई ट्रास्क, असेम्बलीज ऑफ गॉड के भूतपूर्व जनरल निरीक्षक

परमेश्वर संसार को बदलने वाले बच्चों और युवाओं की एक पीढ़ी को उदित कर रहा है। बच्चों के लिए प्रार्थना वाचा की सामर्थ एक अद्‌भुत स्रोत है कि वे प्रतिदिन अपने व दूसरों के लिए मसीह केन्द्रित प्रार्थनाओं को करना सीखें। यह कितना शांति देने वाला है। मैं इसका एक बड़ा प्रशंसक हूं। मेरी योजना अपने सभी मित्रों ओर सहकर्मियों को इसके बारे में बताने की है, विशेषरुप से युवाओं को। मैं आपको भी ऐसा ही करने को उत्साहित करता हूं।

-टोम विक्टर, अध्यक्ष द ग्रेट कमीशन कोएलिशन, फेसिलिटेटर, 4 से 14 विन्डो नोर्थ अमेरिकन रिजन

बच्चों के लिए प्रार्थना वाचा की सामर्थ हमारे बच्चों में सर्वशक्तिमान के लिए प्रेम और घनिष्ठता को बढ़ाने के लिए बाइबल संम्बधित अद्‌भुत एक उपकरण है। मेरा मानना है कि यह सभी विश्वासियों को प्रार्थना करने, सुसमाचार प्रचार करने और हमारे बच्चों को महान आज्ञा व महान आदेश के प्रति उत्साहपूर्वक आज्ञाकारी रहते हुए शिष्य बनाने में सहायता करेगा। मसीह की देह को इस महान दान के लिए धन्यवाद!

-के मार्शल विलियम्स एस. आर. वरिष्ठ पास्टर, नाजरीन बैपटिस्ट चर्च, फिलादेलफिया पी. ए. व अध्यक्ष नेशनल अफ्रीकन अमेरिकन फैलोशिप, एसबीसी

सम्पर्ण

संसार के सभी बच्चों को; आप सभी इस समझ में बढ़ सको कि आपका पिता परमेश्वर आपसे कितना अधिक प्रेम करता है।

मेरे प्रिय पति विक और हमारे बच्चो जोनाथन और मारिया को, तुम्हारे प्रेम, समर्थन और प्रोत्साहन के लिए।

मेरे सह लेखक स्टीफन आयर को; इस परियोजना के लिए अपनी दक्षता, मार्गदर्शन और सम्पर्ण को अनुग्रहपूर्वक बांटने के लिए।

जेरी किर्क को, संसार के बच्चों के लिए 40 दिन की प्रार्थना वाचा के दर्शन को बढ़ाने में उनकी उदारता और अथक सहायता के लिए।

उन सभी स्त्रियों को जो उस दल में थीं जिसने बच्चों की प्रार्थना को बढ़ाने में सहायता की:

एमी किर्क, शेरोन मेसोन, स्टीफेनी प्लेंको विच, शेरोन स्टॉट्ज, और केटी स्टीले।

4/14 आन्दोलन के इरमा चोन और केटी स्टीले को, उनके निवेश और मार्गदर्शन के लिए।

प्राक्कथन

व्यस्क प्रार्थना वाचा सेवकाई से मैं 45 वर्षों से भी अधिक समय से जुड़ा रहा हूं। मैं यह देखकर प्रसन्न होता रहा हूं कि परमेश्वर कैसे अपनी सेवकाई को बढ़ा व आशीष दे रहा है। तथापि, बच्चों की प्रार्थना–वाचा परमेश्वर के आश्चर्यों में से एक है। जब तक कैंडी ने मुझे दर्शन के बारे में नहीं बताया था, यह मेरे साथ भी नहीं हुआ था। कैंडी ने प्रभु की अगुवाई में बच्चों की सेवकाई में विशेषज्ञों के एक दल तैयार किया। कैंडी और उसके दल ने, बच्चों की सेवकाई के लिए अपने जीवनों को समर्पित किया था अत: वे बच्चों की भाषा में प्रार्थना वाचा को पाने के उत्सुक थे। प्रार्थना वाचा के बाल संस्करण को बनाने के पश्चात् कैंडी और अन्य लोगों ने इस पुस्तक की आवश्यकता को देखा।

व्यस्क संस्करण के समान, बच्चों की प्रार्थना वाचा एक ऐसा उपकरण है जो प्रार्थना में मार्गदर्शन करता और उसे बढ़ाता है। और अपने नाम के अनुसार, इसे बच्चों के लिए लिखा गया है। यह पुस्तक बच्चों से वहां मिलती है जहां वे हैं, परन्तु यह उन्हें वहां नहीं छोड़ती जहां वे हैं। यह एक सुन्दर संक्षिप्त, प्रत्यक्ष और चुनौतीपूर्ण प्रार्थना है जो बच्चों के आत्मिक विकास के लिए बिल्कुल सही है।

इस पुस्तक को मुख्यत: बच्चों के लिए लिखा गया है। परन्तु मुझे विश्वास है कि यह माता–पिता को भी आशीषित व सम्पन्न करेगी– ताकि वे अपने बच्चों के लिए आशीष का एक माध्यम बन सकें; यह सण्डे स्कूल शिक्षको को भी आशीषित व सम्पन्न करेगी ताकि वे अपने विद्यार्थियों को आशीष दे सकें; और यह पास्टरों को भी आशीषित व सम्पन्न करेगी ताकि वे समस्त मसीही शिक्षण प्रक्रिया को आशीष दे सकें।

बच्चों के लिए प्रार्थना करना स्वाभाविक है; और छोटे बच्चों के लिए अपने माता–पिता के साथ प्रार्थना करना स्वाभाविक है जिन पर वे भरोसा करते हैं और जिनसे वे प्रेम करते हैं। बच्चों की प्रार्थना वाचा, शिक्षकों और माता–पिता को ऐस मार्ग प्रदान करती है जिस पर उन्हें दौड़ना है। यह एक प्रार्थना नुमा मार्ग है जो बच्चों को परमेश्वर द्वारा दिये जाने वाले प्रेम और उस शांति के लिए खोलता है जो प्रत्येक बच्चे के लिए आवश्यक है।

आरम्भ में बच्चों की प्रार्थना वाचा एक अच्छे विचार के रुप में लगी थी। अब मेरा मानना है कि बच्चों की प्रार्थना वाचा को बनाना हमारे अगुवाई दल द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक है। यह एक ऐसी दियासलाई के समान है जो संसार भर में प्रार्थना वाचा की ज्वाला को प्रज्जवलित करती है।

जैरी किर्क
प्रार्थना वाचा के संस्थापक और अध्यक्ष

परिचय

हम एक कार्यक्रम चलाना चाहते हैं, और हमारी इच्छा है कि आप भी इसे जानें!

सारे विश्व में एक आत्मिक जागृति को प्रोत्साहित करने और बढ़ाने के लिए हम यह लिख रहे हैं!

हमने बच्चों की प्रार्थना वाचा और इस पुस्तक को परमेश्वर की आत्मा के हाथों में एक पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया है, जिससे कि कलीसिया में जागृति आए और विश्व परिवर्तित हो।

यदि इसे दूसरे शब्दों में कहा जाऐ, तो हमारे पास एक बड़ा दर्शन और एक विशिष्ट उद्देश्य है:

दर्शन :

हम सारे विश्व में देखना चाहते हैं कि बच्चे अपने पिता परमेश्वर के साथ अपनी

घनिष्ठता को इस बच्चों की प्रार्थना वाचा का उपयोग करके बढ़ाएं और यीशु के लिए अन्य लोगों पर प्रभाव डालें।

मिशन (उद्देश्य) :

बच्चो की प्रार्थना वॉचा को उपयोग करने की क्षमताओ के प्रति परिवारों, सेवकाईयों, कलीसियाओं, और स्कूलों को सुसज्जित करना, जिससे कि यीशु मसीह के समर्पित और जीवन पर्यन्त बने रहने वाले शिष्य तैयार हों।

परिचय

इस 21 वीं शताब्दी में पूरे विश्व में कलीसियाओं में बच्चो की ओर हम एक नये और उत्तेजनात्मक झुकाव को देख रहे हैं। कलीसिया ने यह खोजा है कि बच्चे और युवा, विश्व की जनसंख्या में सबसे बड़े समूह को बनाते हैं (Z पीढ़ी : 1990 से वर्तमान तक जन्मी हुई पीढ़ी)। इस कारण बच्चो को मसीही उद्देश्य और सेवा का प्राथमिक केन्द्र होना चाहिए। इसका केवल यही दृष्टिकोण नही हैं परन्तु यह पवित्रशास्त्र के अनुसार भी है। अति आरम्भ से बच्चे, परमेश्वर की योजना का एक अंग रहे हैं और वे अभी भी हैं।

सेवकाई के लिए वर्तमान Z पीढ़ी एक पके हुए खेत के समान है। शोध कार्यों ने बताया है कि वे संसार पर प्रभाव डालना चाहते हैं, वे भौतिक वस्तुओं में कम रुची लेते हैं और कारणों को पूरा करने में उनकी अधिक रुचि हैं। वे तकनीक से जुड़ें हैं और 24/7 सम्पर्क में रहते हैं, और वे एक सकारात्मक बदलाव लाना चाहते हैं। इसलिए इस बात की आवश्यकता है कि पहले से कहीं अधिक, एक भटके हुए और मर रहे संसार के प्रति हमें यीशु के राज्य के प्रतिनिधियों के रूप में बच्चो को जोड़ना, सामर्थी बनाना और तैयार करना है। यह एक ऐसा संसार है जिसे उस आशा, प्रेम और शान्ति की जरूरत है जो एकमात्र यीशु ही प्रदान कर सकता है। हम मानते हैं कि बच्चो की प्रार्थना वाचा एक शक्तिशाली साधन होगा जिससे कि बच्चो की इस पीढ़ी तक पहुँचा जाऐ और उन्हें उस सेवकाई के लिए तैयार किया जाए जिसके प्रति परमेश्वर उन्हें बुला रहा हैं।

वयस्कों के लिए डा. जैरी किर्क द्वारा प्रस्तुत की गई 40 दिनों की प्रार्थना वाचा से ही यह बच्चो की प्रार्थना वाचा ऊपजी है। प्रार्थना वाचा क्या होती है? यह एक सरल फिर भी गहरी प्रार्थना है, जिससे कि शिष्यता को बढ़ाया और अधिक महत्वपूर्ण बनाया जाऐ, और यह विशेष रूप अभिप्रायबद्ध ऐसी प्रार्थना है, जिसे 40 दिनों के लिए पारस्परिक समर्थन के एक वाचावद्ध सम्बन्ध में उपयोग किया जाऐ। प्रार्थना वाचा में सम्मिलित ऐसे अनगिनत हज़ारों लोग हैं जिन्होंने इसे सामर्थी और जीवन बदलने वाला पाया है। यह आज्ञाकारिता और समर्पण की एक प्रार्थना है। जो लोग प्रार्थना करते हैं यह उन्हें स्थिर करती हैं, उन्हें कुशल बनाती है, प्रेरित करती है, और हमारे उद्धारकर्ता की संगति में रखती है।

वयस्क प्रार्थना वाचा ने बच्चो के सरल संस्करण को प्रेरित किया है। सरल होने के बावजूद भी इसमें गहराई और सार की कमी नहीं है। बच्चो के लिए एक संस्करण प्रस्तुत करने के पीछे हमारी हार्दिक इच्छा, हमारा लक्ष्य, और हमारा उदेश्य है कि इस प्रार्थना से बच्चो के अपने पिता परमेश्वर के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध बनें । हम चाहते हैं कि बच्चे इतने व्यक्तिगत स्तर पर यीशु को अनुभव करें कि इसका प्रभाव उन्हें जकड़ ले और हमेशा के लिए बदल दे। यदि बच्चे एक ऐसी प्रार्थना प्रतिदिन करें जिसे वे समझ सकते हैं तो यह एक व्यक्तिगत स्तर पर उन्हें यीशु का अनुभव करने के प्रति मुक्त करेगी, इसके कारण वे प्रतिदिन अपने पिता परमेश्वर के पास दौड़कर जाएंगे, और यह उन्हें पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होने के योग्य और सामर्थी बनाएगी—वही पवित्र आत्मा जो हमे वयस्क लोगों के रूप में प्राप्त है।

परिचय

40 दिन क्यों ?

जबकि इस प्रार्थना का उपयोग जीवन भर किया जा सकता है, परन्तु 40 दिन, समय की वह अवधि है, जिसके लिए बच्चे एक दूसरे के साथ चाहे अपने शिक्षक, अभिभावक, भाई बहन, मार्गदर्शक अथवा मित्र के साथ वाचा बांध सकते हैं। जब 40 दिन पूरे हो जाते हैं, बच्चे किसी नये व्यक्ति को आमंत्रित करके आगे के 40 दिनों के लिए उस व्यक्ति के साथ प्रार्थना करना आरम्भ कर सकते हैं, जो इसी प्रकार से आगे बढ़ता रहता है। इस प्रकार से अन्य लोगो के साथ और उनके लिए प्रार्थना करना एक जीवन पद्धति – प्रार्थना वाचा जीवन शैली बन जाता है।

प्रत्येक एक पंक्ति के लिए हमने क्यों बाइबल के सम्बंधित पद सम्मिलित किये ?

हमारी प्रार्थनाऐं पवित्रशास्त्र के द्वारा सामर्थी और स्मृद्ध बनी हैं। यीशु ने कहा था, ''यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरी बातें तुम में बनी रहें तो जो चाहो मागों और वह तुम्हारे लिए हो जाऐगा (यूहन्ना 15:7)'' पवित्र वचनो को याद करना एक सामर्थी साधन है। यह कुछ ऐसा है, जो एक बार सीख जाने पर बच्चो के हाथ जीवन भर बना रहेगा। हम जितने अधिक पवित्रशास्त्र याद करते हैं उतना ही अधिक हमें सामर्थ और योग्यता मिलती है जिससे कि आने वाली चुनौतियों और प्रलोभनों का सामना कर सकें।

प्रार्थना का प्रवाह –

प्रार्थना, व्यक्तिगत विनतियों के एक संग्रह अथवा एक सूची से, कहीं अधिक है। प्रत्येक पंक्ति, अपने से पहली वाली पंक्ति पर निर्मित होती है और स्वाभाविक रूप से अगली पंक्ति की अगुवाई करती है। प्रार्थना के द्वारा पिता परमेश्वर बच्चों, और युवाओं को अपने पुत्र यीशु मसीह की समानता में बदलता जाता है, ऐसे बच्चे जो निम्नलिखित होंगे :

- एक प्रेम करने वाले पिता के रूप में, उसके अनुग्रह को स्वीकार करने वाले,
- परमेश्वर की आज्ञाकारिता में अन्य लोगों से प्रेम करने वाले,
- उसके समान करूणा प्रगट करने वाले,
- पाप से सच्चा पश्चाताप करने वाले,
- जिसके परिणामस्वरूप वे सच्ची आराधना करते हैं;
- जबकि वे प्रतिदिन यीशु के पीछे चलने के लिए समर्पित हो रहे हैं,
- और पवित्र आत्मा पर निर्भर होकर जीवन जी रहे हैं।

परिचय

इसका परिणाम होगा :

- ऐसे बच्चे जो धार्मिकता में अन्य लोगों को प्रभावित करेंगे,
- जो यीशु मसीह के परिपक्व शिष्य बनते जा रहे हैं,
- जो यीशु मसीह के अधिकार के अन्तर्गत, जीवन बिताते हैं और प्रार्थना करते हैं।

पुस्तक की रूपरेखा

इस पुस्तक का पहला भाग केवल बच्चों के लिए है। हम चाहते हैं, कि वे इसे पढ़ें। हम चाहते हैं कि वयस्क लोग इसे पढ़कर उन्हें सुनाऐ। हम चाहते हैं कि इसमें दिये गये उदाहरण उन्हें प्रेरित करें। बाईबल के पद उनके हृदयों पर प्रभाव डालें और प्रार्थना से वे परमेश्वर से वार्तालाप करें। प्रार्थना पढ़ने में यह पुस्तक आराधना करने का एक रूप ले सकती है, जिसमें परमेश्वर के वचन पर मनन करना और एक साथ मिलकर प्रार्थना करना सम्मिलित है। हमारी प्रार्थना है कि इसके द्वारा प्रत्येक दिन आनन्द और धन्यवाद से आरम्भ हो और प्रत्येक दिन विश्राम और शान्ति के साथ समाप्त हो।

इस पुस्तक का दूसरा भाग भी बच्चो के लिए ही है ; यद्यपि इसका प्राथमिक उद्देश्य शिक्षकों और अभिभावकों को इसका एक पाठयक्रम प्रदान करना है कि वे इसका उपयोग बच्चो की 40 दिन की प्रार्थना वाचा का यह संस्करण प्रस्तुत करने में करें। दूसरा भाग पवित्रशास्त्र के अतिरिक्त सन्दर्भ प्रदान करता है, जिससे कि गहराई से अध्ययन किया जाऐ, बातचीत करने के लिए इसमें परिचर्चा के प्रश्न दिये गये हैं, प्रार्थना के छोटे सत्र हैं बाइबल की एक कहानी, कार्य पुस्तिकाऐं, और साथ ही बच्चो के लिए एक प्रार्थना वाचा विवरण सम्मिलित है, जिसका उपयोग वे तब करते हैं, जब दूसरो के साथ वाचा में बांधते हैं और साथ ही एक रैप गीत भी दिया गया है, जिससे बच्चे अपनी रचनात्मकता और उत्तेजना को प्रगट करें। दूसरे भाग में दी गई सामग्री को जैसा लिखा है वैसे ही बोल कर पढ़ा जा सकता है, अथवा आपका अपना पाठयक्रम तैयार करने में इसका एक मार्गदर्शक के रूप में उपयोग किया जा सकता है – चुनाव आपका है।

बच्चों के लिए परिचय

प्रिये बच्चों!

बच्चों के लिए 40 दिन की प्रार्थना वाचा की सामर्थ एक ऐसी पुस्तक है, जिसे विशेष रूप से आपके लिए तैयार किया गया है जिससे कि आपके प्रार्थना जीवन में वृद्धि हो और वह सामर्थी बने। जब आप सामर्थ के बारे में सोचते हैं तो पहली बात आपके सोच–विचार में क्या आती है? महानायक? प्रसिद्ध लोग? धन? परमेश्वर? यदि आपके अनुमान में परमेश्वर है, तो आप सही हैं। परमेश्वर सामर्थी हैः " स्वर्ग और पृथ्वी का सारा का अधिकार मुझे दिया गया है " (मत्ती 28:18)। ओह, यह तो बहुत बड़ी सामर्थ हैः बाइबल यह भी बताती है,कि " परमेश्वर के लिये कुछ भी असम्भव नहीं है। " क्या आप जानते हैं, यदि आप परमेश्वर से माँगें तो परमेश्वर की सामर्थ आपको प्राप्त है? यीशु ने कहा था, "यदि तुम कुछ भी मेरे नाम में मांगते हो तो मै उसे करूँगा।" यह अद्‌भुत है। प्रार्थना में सामर्थ है, और यीशु के नाम मे सामर्थ है ?जी हॉ । और केवल आपको यह करना है कि "माँगे"। यीशु ने कहा था, " माँगो, जिससे तुम पा सको, और तुम आनन्दित होगे "। भौतिक वस्तुओ को मांगना और इच्छाओं का पूरा किया जाना, प्रार्थना नहीं है। यह परमेश्वर से प्रेम, विश्वास, धीरज ,चंगाई, मार्गदर्शन और सामर्थ जैसी बातों के लिए विनती करना है– उससे यह मांगना है कि वह आपको अपने समान बनाएं, जब आप प्रार्थना करते हैं, तब यीशु से अपने पापो की क्षमा मांगना, उसकी आत्मा से आप भरे जाएं और उसकी महिमा के लिए उपयोग किये जाएं– यह विनती करना अच्छी बात है।

यीशु आपसे व्यक्तिगत और पूर्ण रूप से प्रेम रखते हैं । ठीक वैसे ही जैसे कि आपके माता पिता यह जानना चाहते हैं कि आपका पूरा दिन कैसे बीता, आप किन बातों के लिए धन्यवादित हैं, अथवा क्या बातें आपको परेशान कर रही हैं? वैसे ही आपका पिता जो स्वर्ग में है, आपको सुनने की लालसा रखता है।

प्रार्थना महत्वपूर्ण है और यह मजेदार हो सकती है। आप जान पाऐंगे कि पूरे संसार में इससे अद्‌भुत और कुछ भी नही है कि आप प्रार्थना में और उसके वचन को पढ़ने में यीशु के साथ समय बितायें। हमने प्रार्थना की प्रत्येक पंक्ति के साथ आपके सीखने के लिए बाइबल के पदों को भी सम्मिलित किया है। यीशु ने कहा था, "वह जो मुझसे प्रेम करता है वह मेरी बातो को मानेगा और मेरा पिता उससे प्रेम करेगा और उसके साथ रहेगा। " यह एक बड़ी विशेष प्रतिज्ञा है।

प्रार्थना **वास्तव** में महत्वपूर्ण है। जितना अधिक आप प्रार्थना करते हैं उतना ही अधिक उसके अनुग्रह और ज्ञान में बढ़ते जाएगें और यीशु के समान बनते जाते और उसकी आत्मा के फल का अनुभव करते हैंः प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई , विश्वास, नम्रता, और संयम। " यह सब यीशु को प्रसन्न करता है।

हम आशा करते हैं कि यह पुस्तक आपकी सहायता करेगी और उस समय को आनन्दित बनाएगी जब आप अपने माता–पिता, बहनों, भाइयों, दादा–दादी और मित्रों के साथ मिलकर इसे पढ़ेंगे और प्रार्थना करेंगे ।

अन्त में, आपको एक बात का वचन देना होगा कि इसे आप कभी नही भूलेगें। वह यह है कि आपका पिता जो स्वर्ग में है आपसे एक अनन्त, कभी खत्म ना होने वाला, और हमेशा बने रहने वाला प्रेम करता है!

बच्चों के लिए परिचय

एक प्रार्थना वाचा क्या है?

आप शायद सोच रहे हों, " एक वाचा क्या होती है?" एक वाचा दो अथवा अधिक व्यक्तियों के बीच दिया गया एक वचन होता है। पहले आप प्रतिदिन स्वयं प्रार्थना करना आरम्भ करें अथवा आप किसी अन्य व्यक्ति के साथ इस प्रार्थना को करने का चुनाव कर सकते हैं। यदि आप अकेले इसे आरम्भ करते हैं अवश्य ही किसी व्यक्ति को जल्दी ही अपने साथ सम्मिलित करें। आप अपने माता–पिता, दादा–दादी, बहन–भाई या मित्र के साथ 40 दिनों के लिए इस वाचा को चुन सकते हैं। संख्या 40 का बाइबल में बहुत बार उपयोग किया गया हैं – क्या आप बाइबल के कुछ गद्यांशों के बारे में सोच सकते हैं, जहां ऐसा हुआ है? इन पदों को देखें "उत्पत्ति 7:12, निर्गमन 34:28, मत्ती 4:20"। यह इस प्रकार कार्य करता है कि आप एक व्यक्ति के लिए प्रार्थना करेंगें और फिर वह व्यक्ति 40 दिनों तक आपके लिए प्रार्थना करेगा। 40 दिन के समाप्त हो जाने पर आप एक नये व्यक्ति के साथ वॉचा बाँध सकते हैं।

मुझे किससे पूछना चाहिए?

40 दिन तक दूसरों के लिए प्रार्थना करना यह दर्शाने का उचित तरीका है कि आप उनसे प्रेम करते हैं और उनकी चिन्ता करते हैं। और याद रखें, यीशु को आपकी वातों को सुनना पसंद है। वह चाहता है कि आप प्रतिदिन उसके साथ समय बिताएं। यीशु के साथ समय बिताना अत्यन्त मजेदार है। और एक साथ मिलकर यीशु के पीछे चलना आनन्ददायक भी है।

क्यों 40 दिन?

40 दिन की प्रार्थना

वाचा!

बच्चों के लिए

प्रिय पिता परमेश्वर

मुझसे प्रेम करने और मुझे अपनी एक संतान बनाने के लिए आपका धन्यवाद।

आपसे प्रेम करने और आज्ञापालन करने में मेरी सहायता करें।

जिस प्रकार आप मुझसे प्रेम करते हैं वैसे ही दूसरों से प्रेम करने में मेरी सहायता करें।

मैं अपने पापों के लिए क्षमा चाहता हूं। मुझे धोकर शुद्ध करें।

यीशु में आपको प्रभु मानकर आपका अनुसरण करना चाहता हूं।

40 दिन की प्रार्थना

वाचा!

बच्चों के लिए

आप जैसे चाहें वैसे मुझे बदलें।

मुझे अपने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण करें।

मुझे अपने अनुग्रह, सत्य और न्याय का एक साधन बनाएं।

मुझे आपकी महिमा और दूसरों को आप तक लाने के लिए उपयोग करें।

यीशु के नाम में मैं प्रार्थना करता हूं, आमीन।

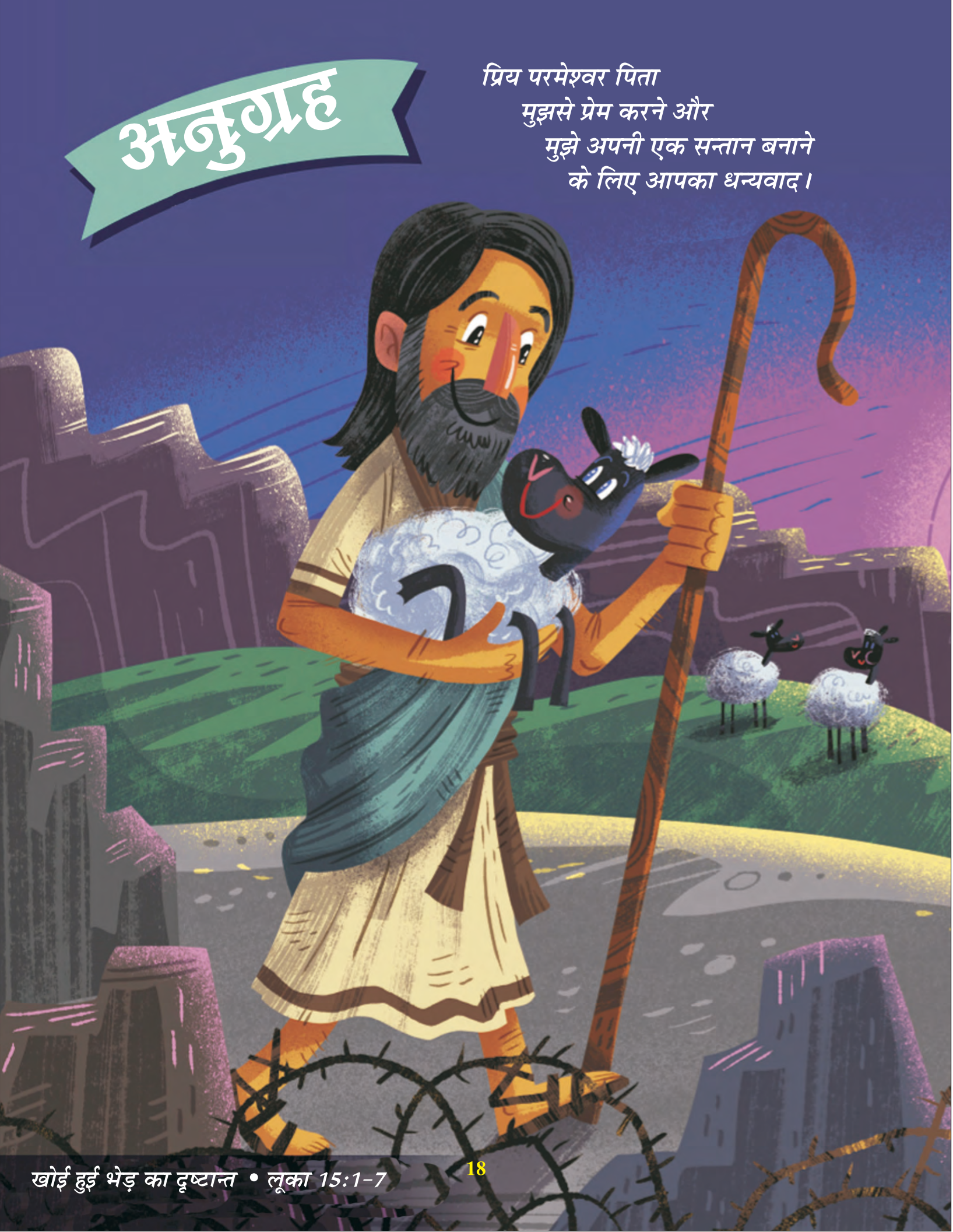
अनुग्रह
प्रिय परमेश्वर पिता
मुझसे प्रेम करने और
मुझे अपनी एक सन्तान बनाने
के लिए आपका धन्यवाद।

यीशु ने उत्तर दिया:
''तुम मेरी अनमोल सन्तान हो और
मैं तुम्हें अनन्तकालीन प्रेम से प्रेम करता हूँ ।''

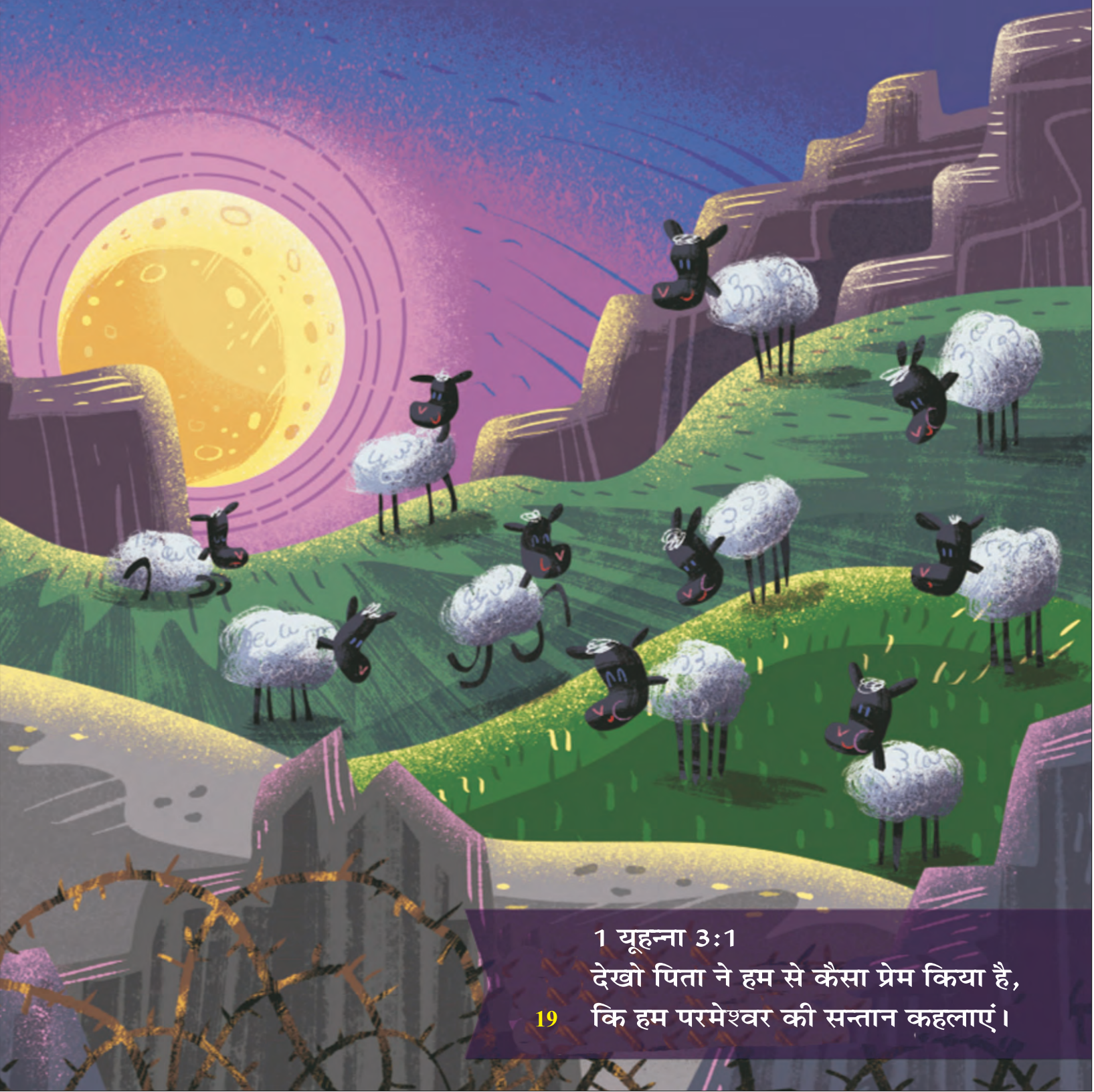

1 यूहन्ना 3:1
देखो पिता ने हम से कैसा प्रेम किया है,
कि हम परमेश्वर की सन्तान कहलाएं।

प्रेम

आपसे प्रेम और आपका आज्ञा पालन करने में मेरी सहायता करें।

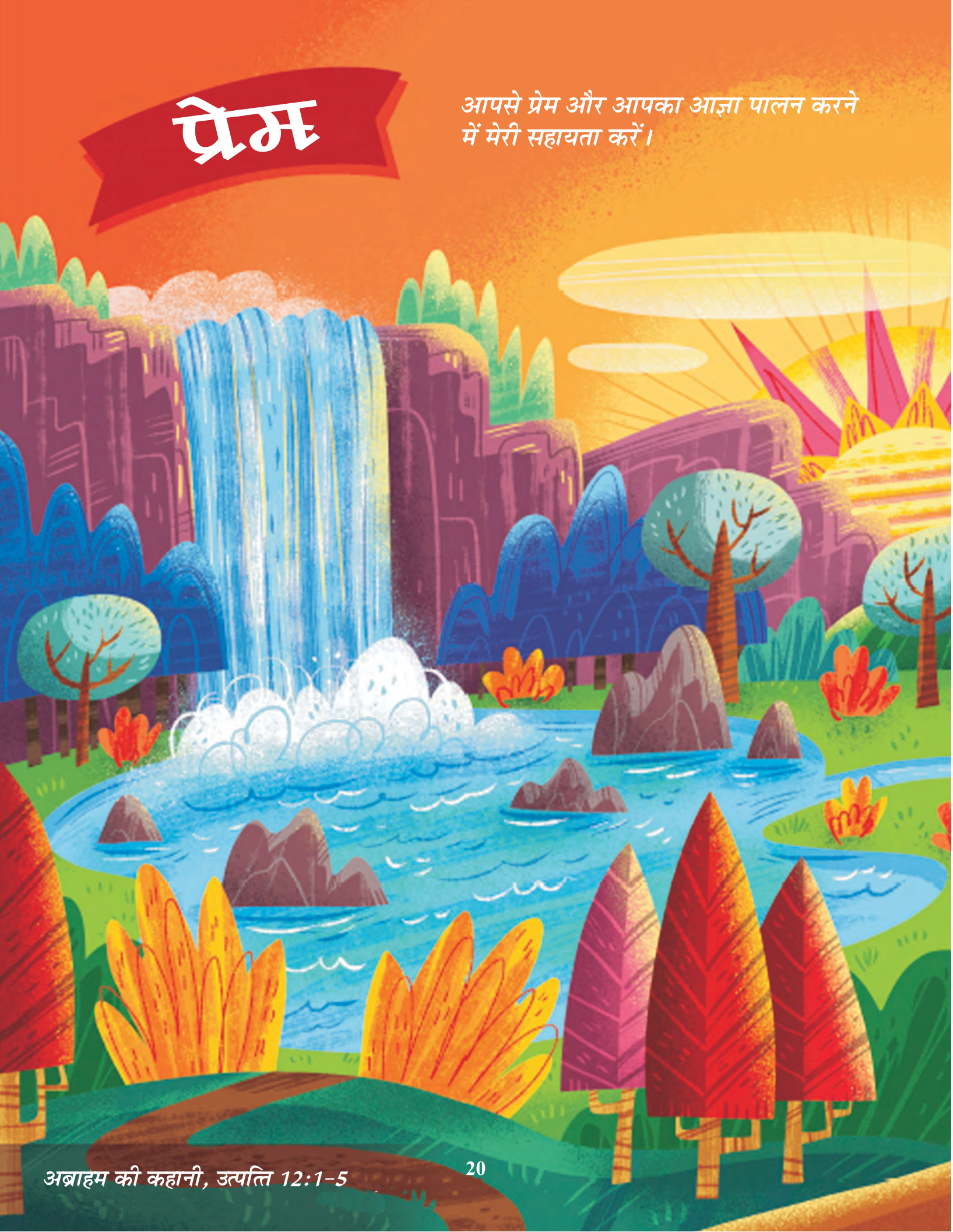

अब्राहम की कहानी, उत्पत्ति 12:1-5

और यीशु ने उत्तर दिया:

''मेरी इच्छा है कि तुम मेरे वचनों का पालन करो,

यदि तुम मुझसे प्रेम करोगे तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे।''

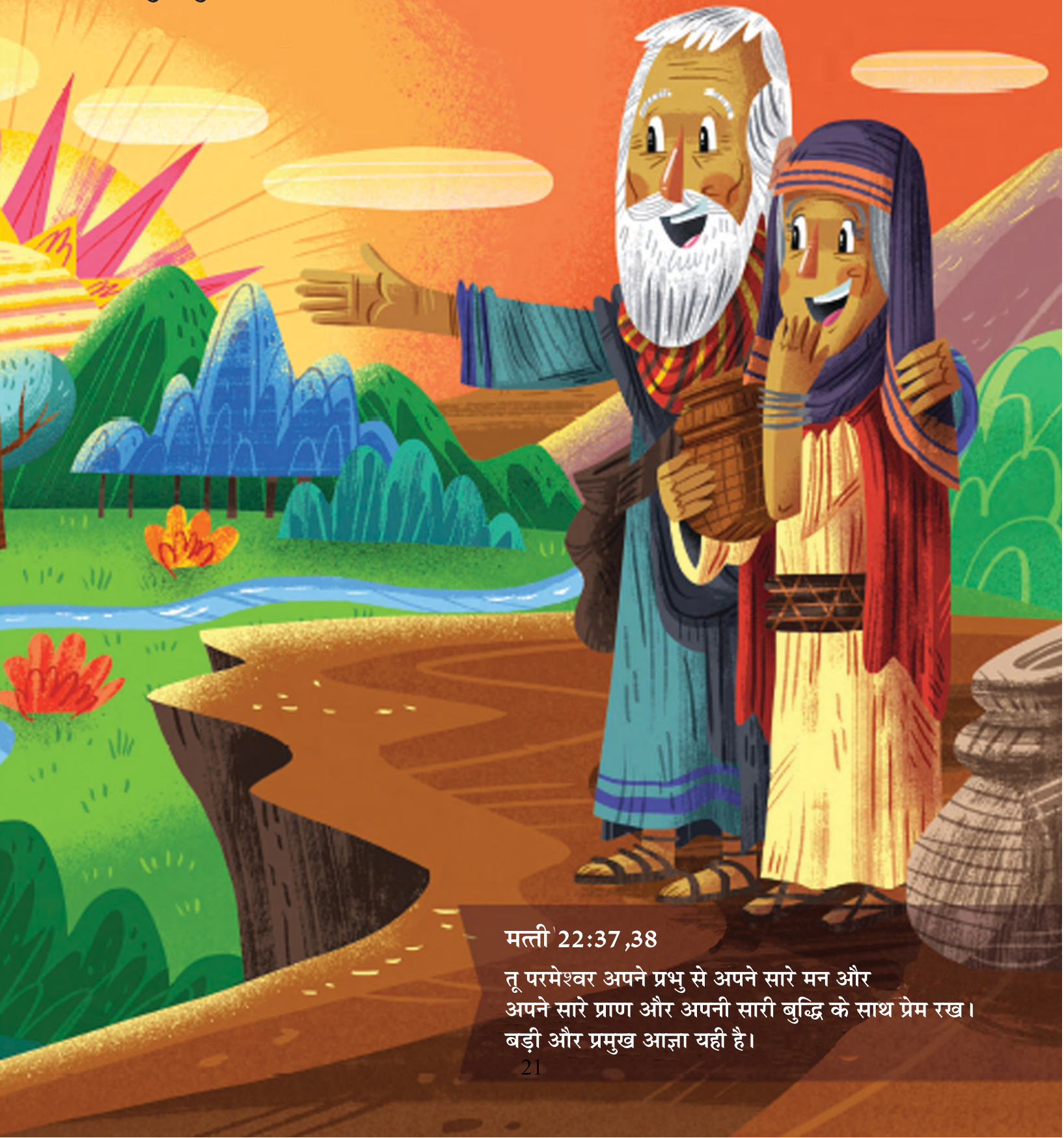

मत्ती 22:37,38

तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन और
अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख।
बड़ी और प्रमुख आज्ञा यही है।

करुणा

जिस प्रकार आप मुझसे प्रेम करते हैं वैसे ही दूसरों से प्रेम करने में मेरी सहायता करें।

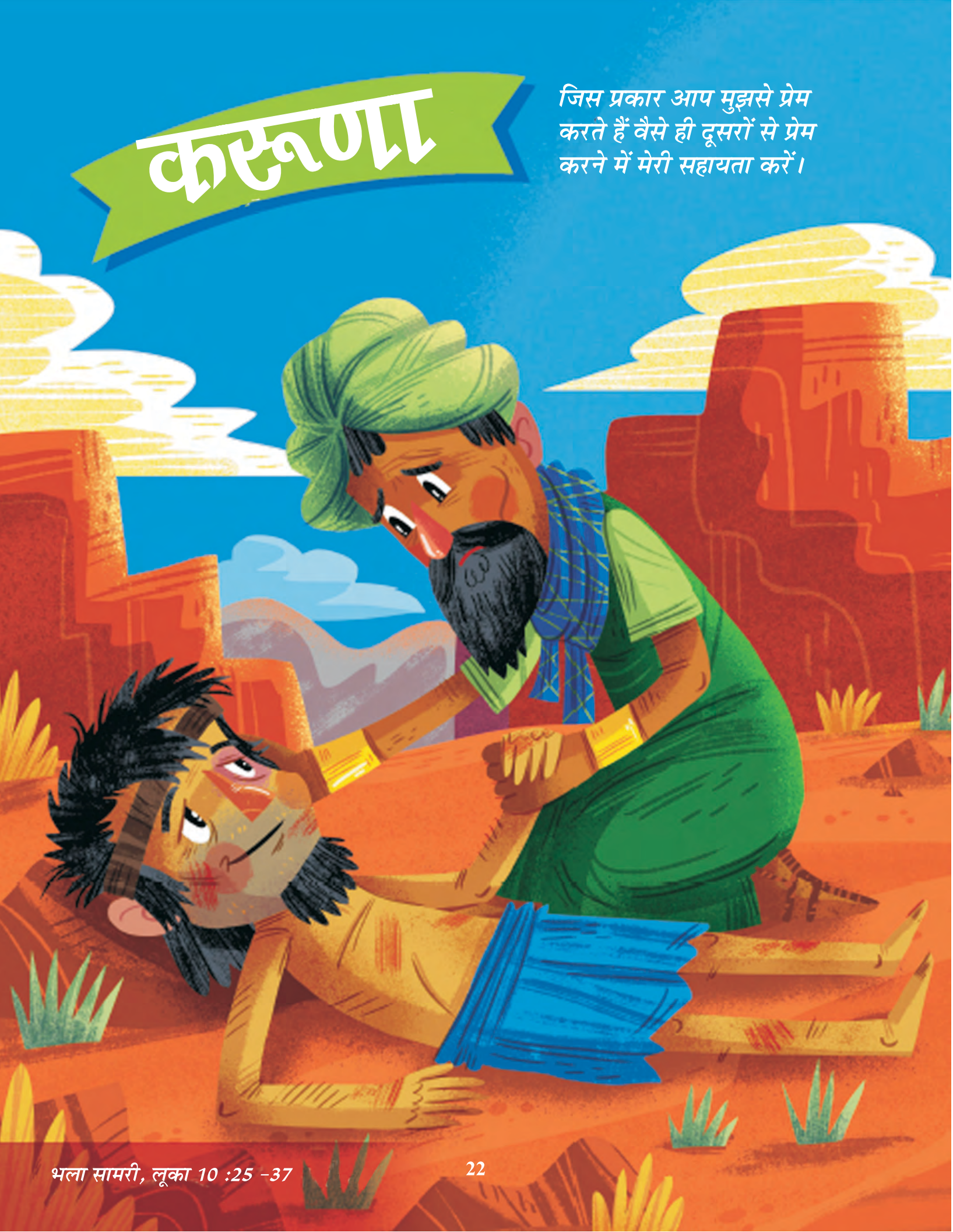

भला सामरी, लूका 10 :25 -37

यीशु ने उत्तर दिया :

''जब तुम मेरे प्रेम को समझना आरम्भ कर दोगे कि मैं तुम से कितना अधिक प्रेम करता हूँ, तो तुम दूसरो से भी प्रेम करने के योग्य हो जाओगे। बीमारों के लिए प्रार्थना करने और ...जो लोग कष्ट और आवश्यकता में पड़े हैं उनकी सहायता करने और उन्हें सांत्वना देने के द्वारा मेरे प्रेम को दर्शाओ।

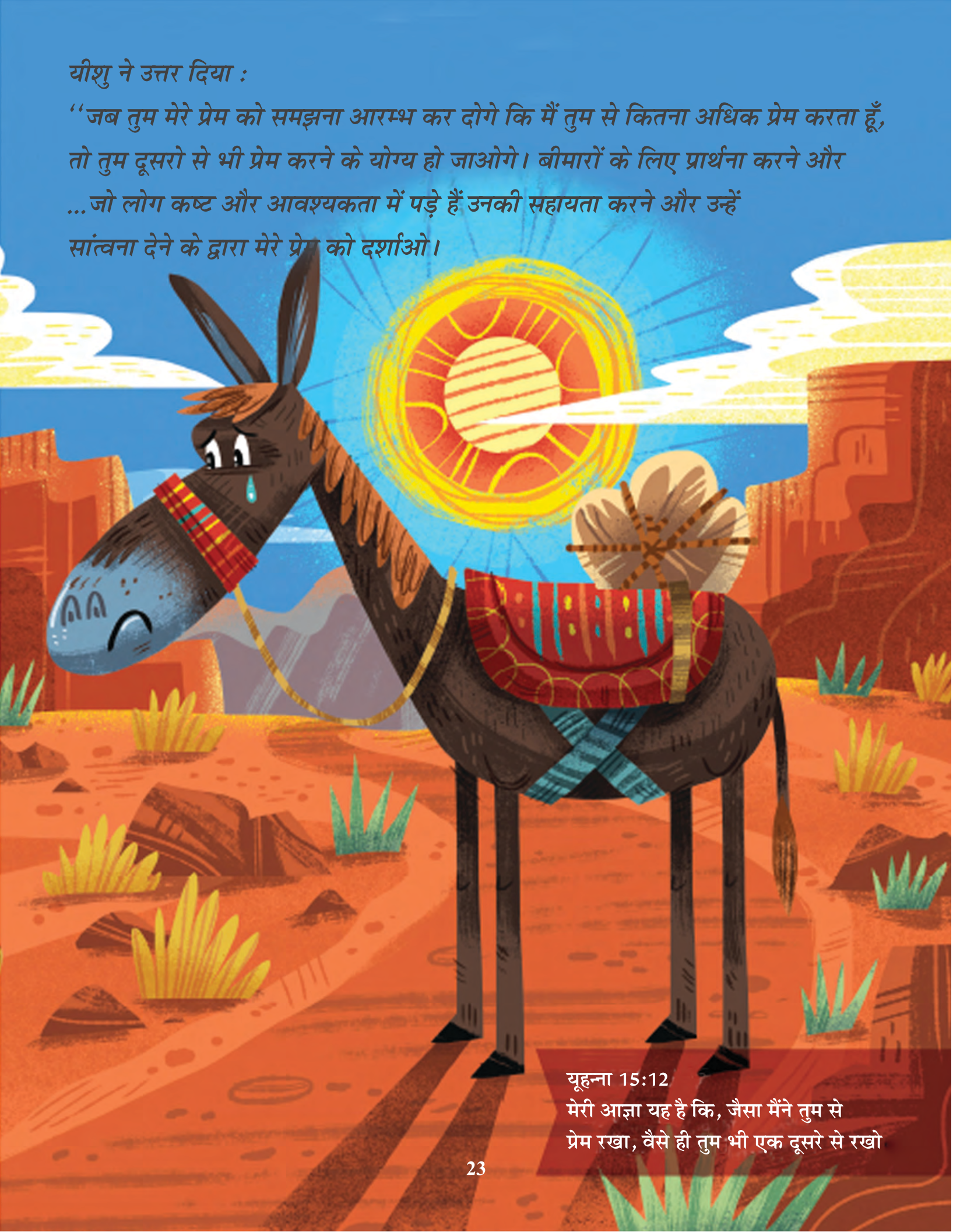

यूहन्ना 15:12
मेरी आज्ञा यह है कि, जैसा मैंने तुम से प्रेम रखा, वैसे ही तुम भी एक दूसरे से रखो

पश्चात्ताप

"मैं अपने पापों के लिए
क्षमा चाहता हूँ मुझे धोकर शुद्ध करें।"

क्षमा न करनेवाले सेवक का दृष्टांत, मत्ती 18:21-35

यीशु ने उत्तर दिया :

''डरो नहीं, मैं तुम्हारे पापों को क्षमा कर दूंगा, और तुम्हें हिम की नाई श्वेत कर दूंगा। लेकिन यह याद रखना आवश्यक है कि मैं यह चाहता हूँ कि तुम सदा दूसरों को वैसे ही क्षमा करो जैसे मैं तुम्हें क्षमा करता हूं ।''

भजन संहिता 51:2
मुझे भली भांति धोकर मेरा अधर्म दूर कर,
और मेरा पाप छुड़ाकर मुझे शुद्ध कर।

आराधना
मैं अपने संपूर्ण हृदय से
आपकी स्तुति करूँगा !

यीशु ने उत्तर दिया :
''तुम्हारा मेरे लिए स्तुति के गीत गाना और मेरी आराधना करते रहना मुझे प्रिय है।
यह तुम्हें सदा करना है। तुम्हारे धन्यवाद से भरे हृदय मुझे बहुत आनन्द देते हैं।''

भजन संहिता 9:1
''हे यहोवा परमेश्वर, मैं अपने पूर्ण मन से तेरा धन्यवाद
करूँगा। मै तेरे सब आश्चर्यकर्मों का वर्णन करूँगा।''

समर्पण

*यीशु मैं आपको प्रभु मानकर
आपका अनुसरण करना चाहता हूँ।
आप जैसे चाहें वैसे मुझे बदलें।*

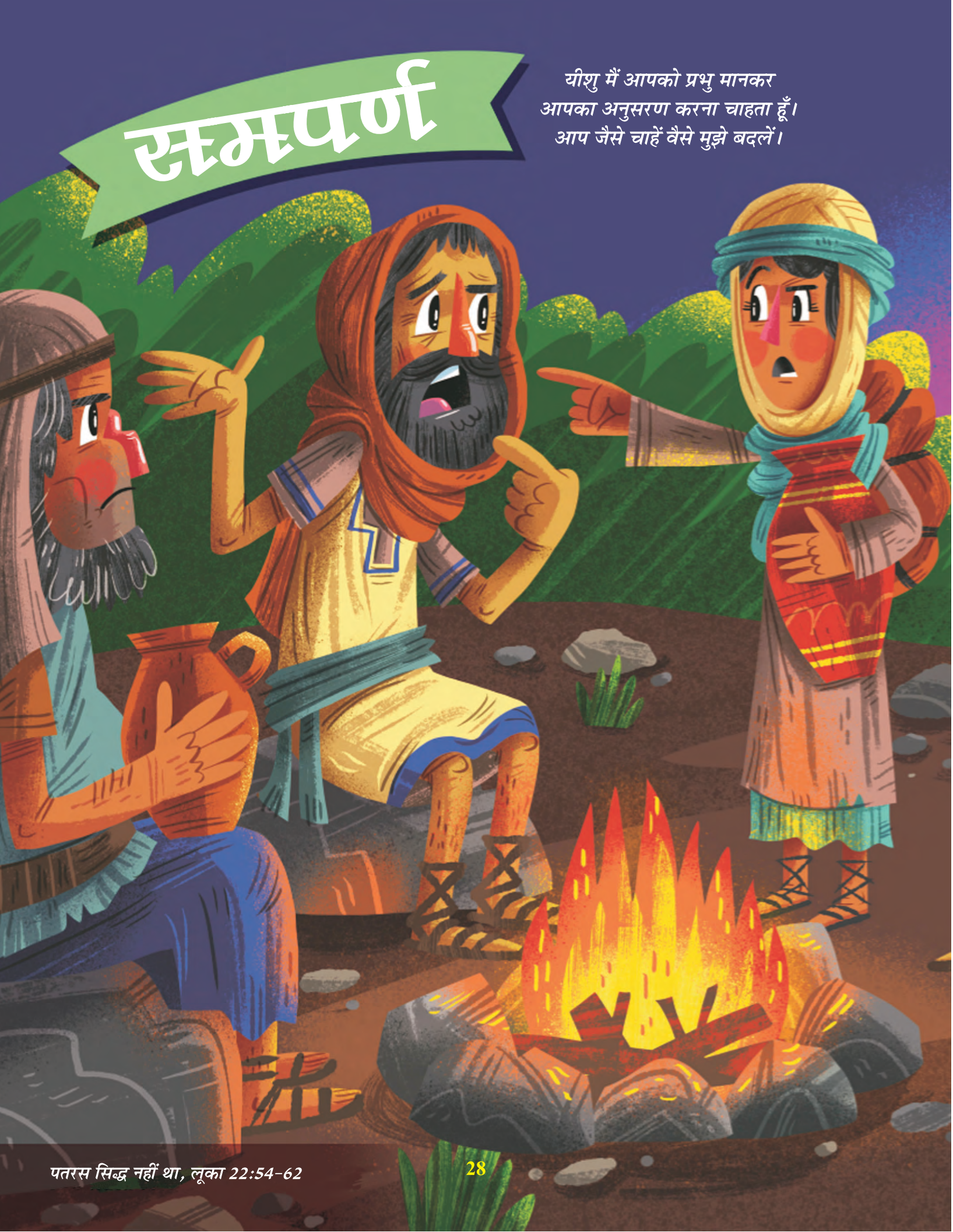

पतरस सिद्ध नहीं था, लूका 22:54–62

यीशु ने उत्तर दिया:
''मैं तुम्हारा शिक्षक हूँ। मेरी लालसा है कि तुम आज्ञाकारी हृदय के साथ मेरे पीछे चलो। हो सकता है कि मार्ग सदैव स्पष्ट न दिखे, परन्तु मुझ पर भरोसा रखो- मैं तुम्हारे जीवन के हर कदम पर तुम्हारा मार्गदर्शन करूँगा।''

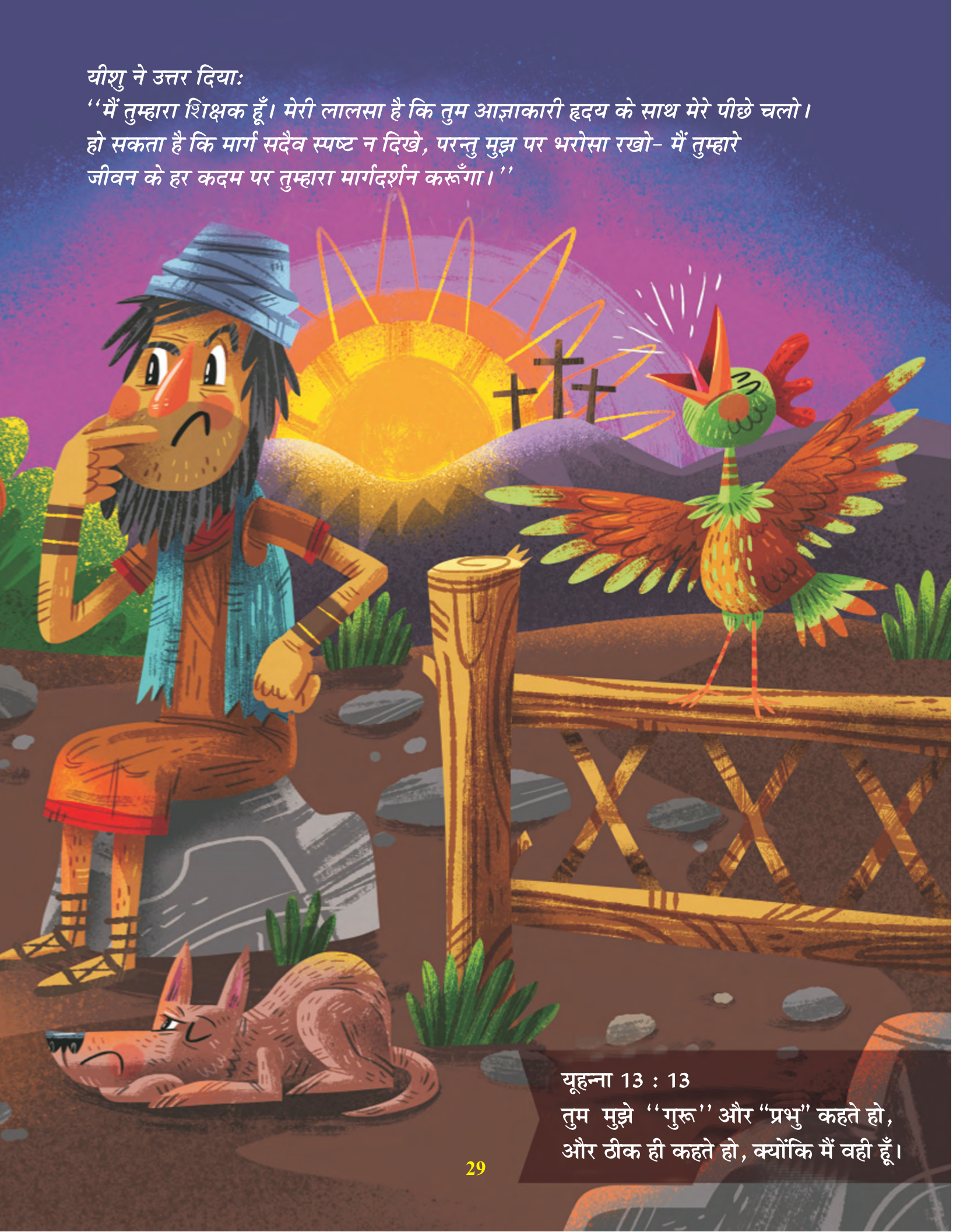

यूहन्ना 13 : 13
तुम मुझे ''गुरू'' और "प्रभु" कहते हो,
और ठीक ही कहते हो, क्योंकि मैं वही हूँ।

निर्भरता

मुझे अपने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण करें।

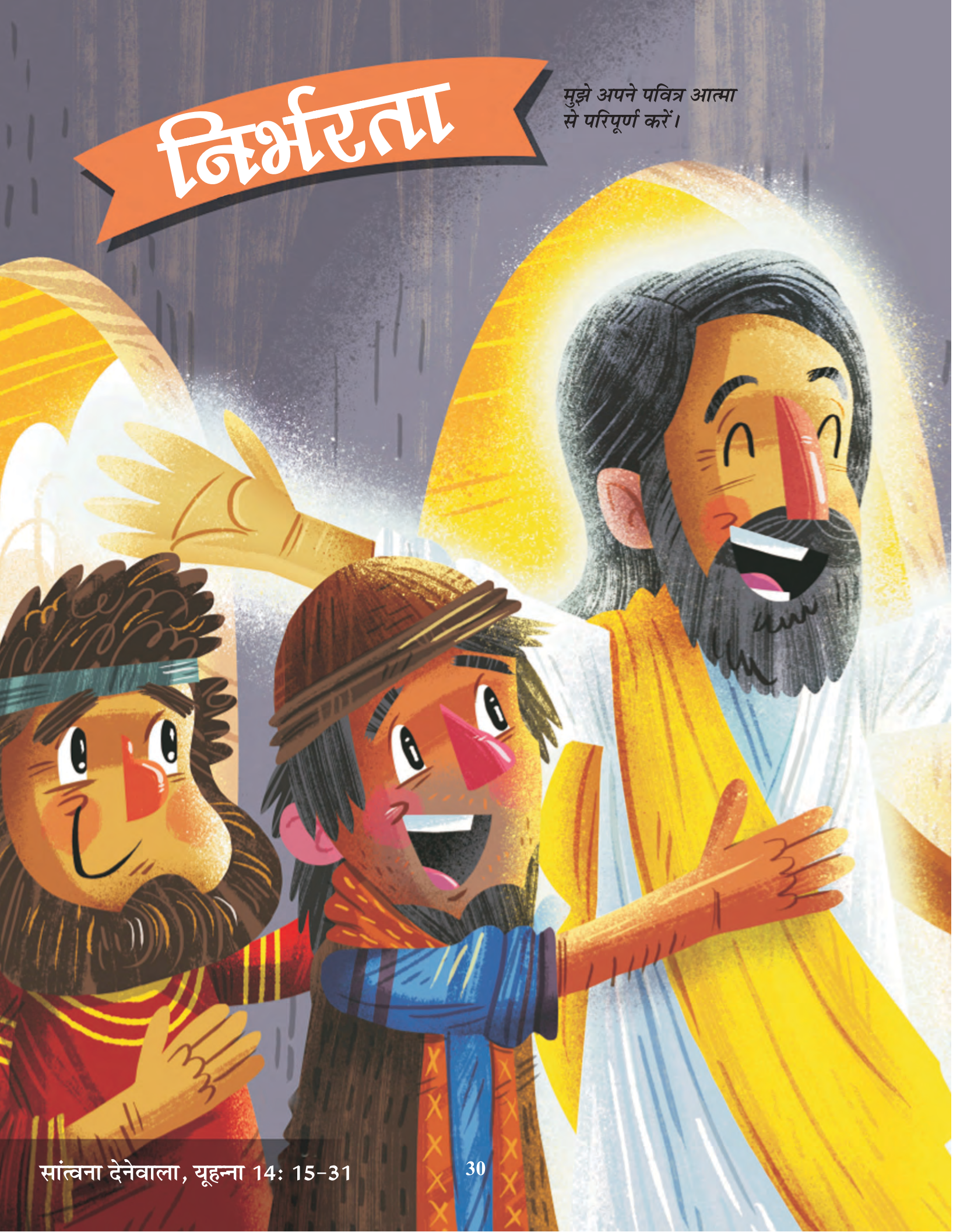

सांत्वना देनेवाला, यूहन्ना 14: 15-31

यीशु ने उत्तर दिया :
''याद रखो, तुम अकेले नहीं हो। मैं सदैव और सदा के लिए तुम्हारे साथ हूँ।
मैं तुम्हारा सहायक, तुम्हारा शिक्षक तथा तुम्हारा मार्गदर्शक हूँ। ''

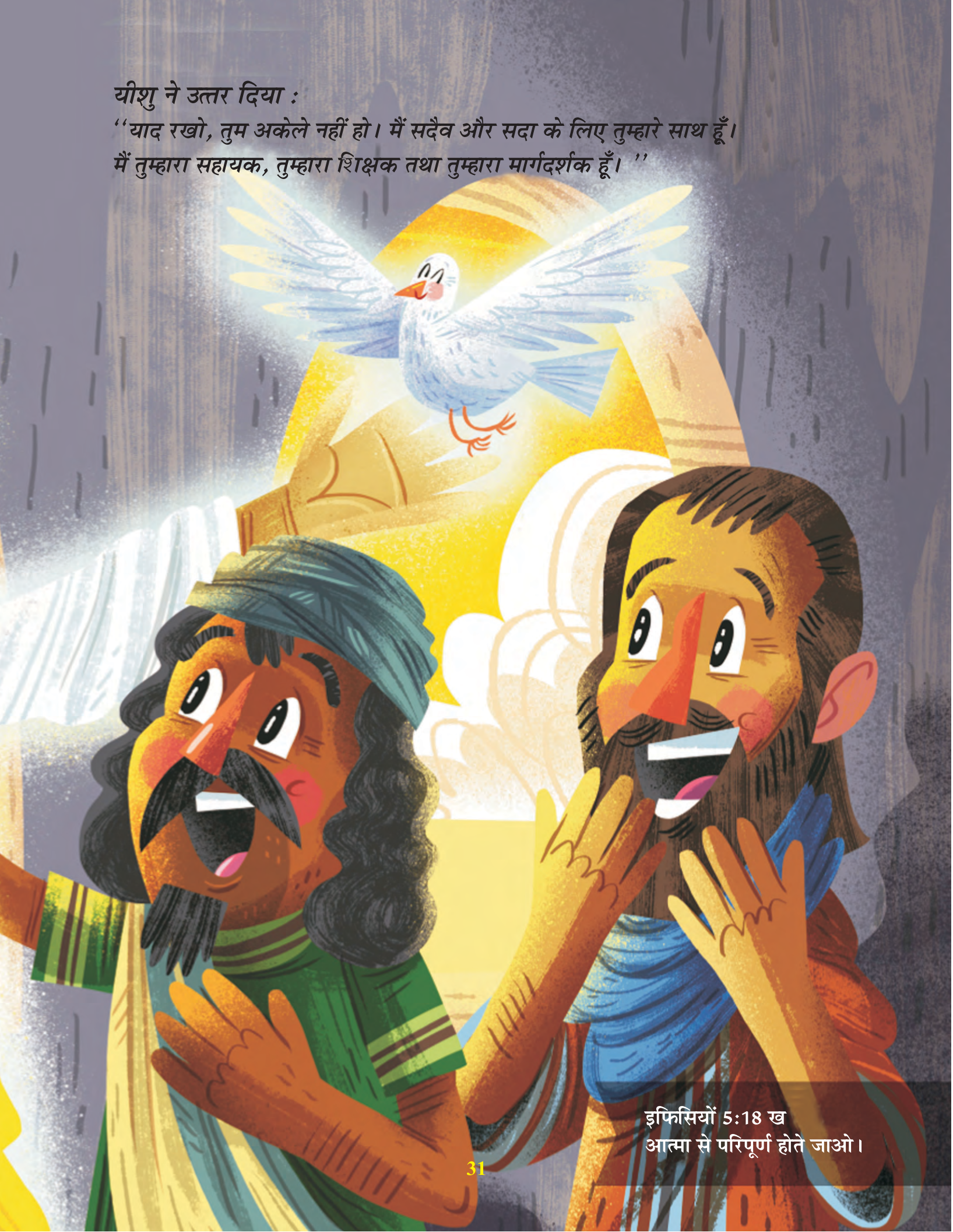

इफिसियों 5:18 ख
आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ।

प्रभाव

मुझे अपने अनुग्रह, सत्य, तथा न्याय का एक साधन बनाएं।

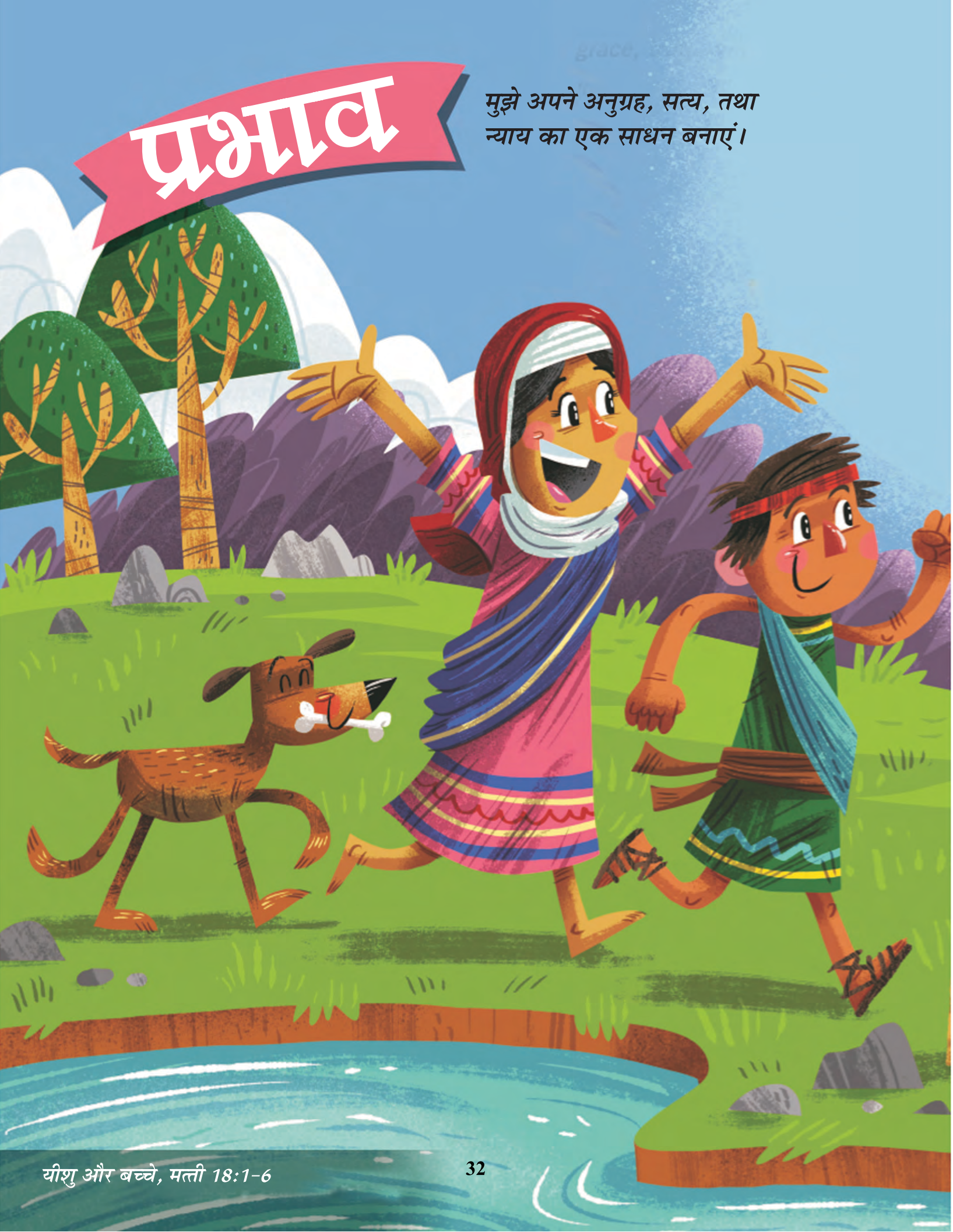

यीशु और बच्चे, मत्ती 18:1-6

यीशु ने उत्तर दिया:

''उन्हे मेरे बारे में बताओ जिन्हें मैंने तुम्हारे मार्ग में ठहराया है। उन्हें मेरे उद्धार देनेवाले अनुग्रह, मेरे सत्य के वचनो, और न्याय के लिए मेरे प्रेम को बताओ। मैं बिमारो को चंगा करने, गरीबों की मदद करने, और सताए हुओं को आराम देने के लिये आया हूँ। इन्हीं कामों को करने के लिये मैं तुम्हारा उपयोग कर सकता हूँ। ''

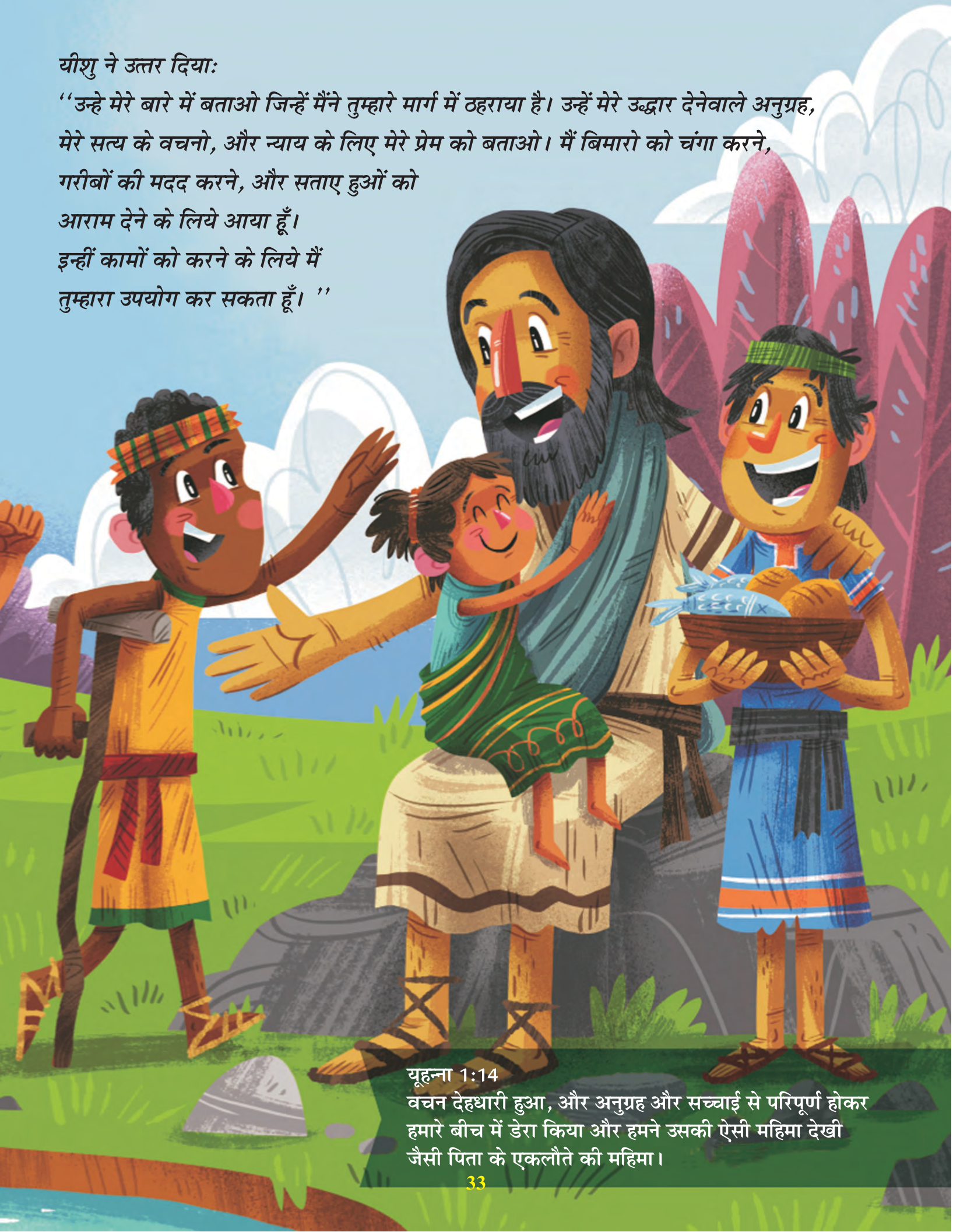

यूहन्ना 1:14
वचन देहधारी हुआ, और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी जैसी पिता के एकलौते की महिमा।

शिष्यता

अपनी महिमा के लिए और अन्य लोगों को आपके अनुसरण के प्रति आंमत्रित करने के लिए मेरा उपयोग करें।

तरसुस का शाऊल, यीशु मसीह का एक प्रेरित-पौलुस, बनता है। प्रेरितों के काम 9:1-22

यीशु ने उत्तर दिया :
''मैं तुम से यह चाहता हूँ, कि तुम अपने परिवार और मित्रों को मेरे विषय में बताओ, मैं चाहता हूँ कि तुम उन्हें मेरी अद्‌भुत, प्रेममय करूणा के विषय में बताओ। मेरा अनुसरण करने के लिए उन्हें आमंत्रित करो! तुम जान पाओगे,कि एक साथ मिलकर मेरे पीछे चलना बहुत रोमांचक और मजेदार है।''

मत्ती 28:19
इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रात्मा के नाम से बपतिस्मा दो।

अधिकार

यीशु के नाम में, मैं प्रार्थना करता हूँ। आमीन!

अंधा बरतिमाई, मरकुस 10:46-52

यीशु ने उत्तर दिया :

''मेरे नाम में सामर्थ और अधिकार है। मुझ में तुम्हें आनन्द, शान्ति, क्षमा आशा और सुरक्षा मिलेगी।''

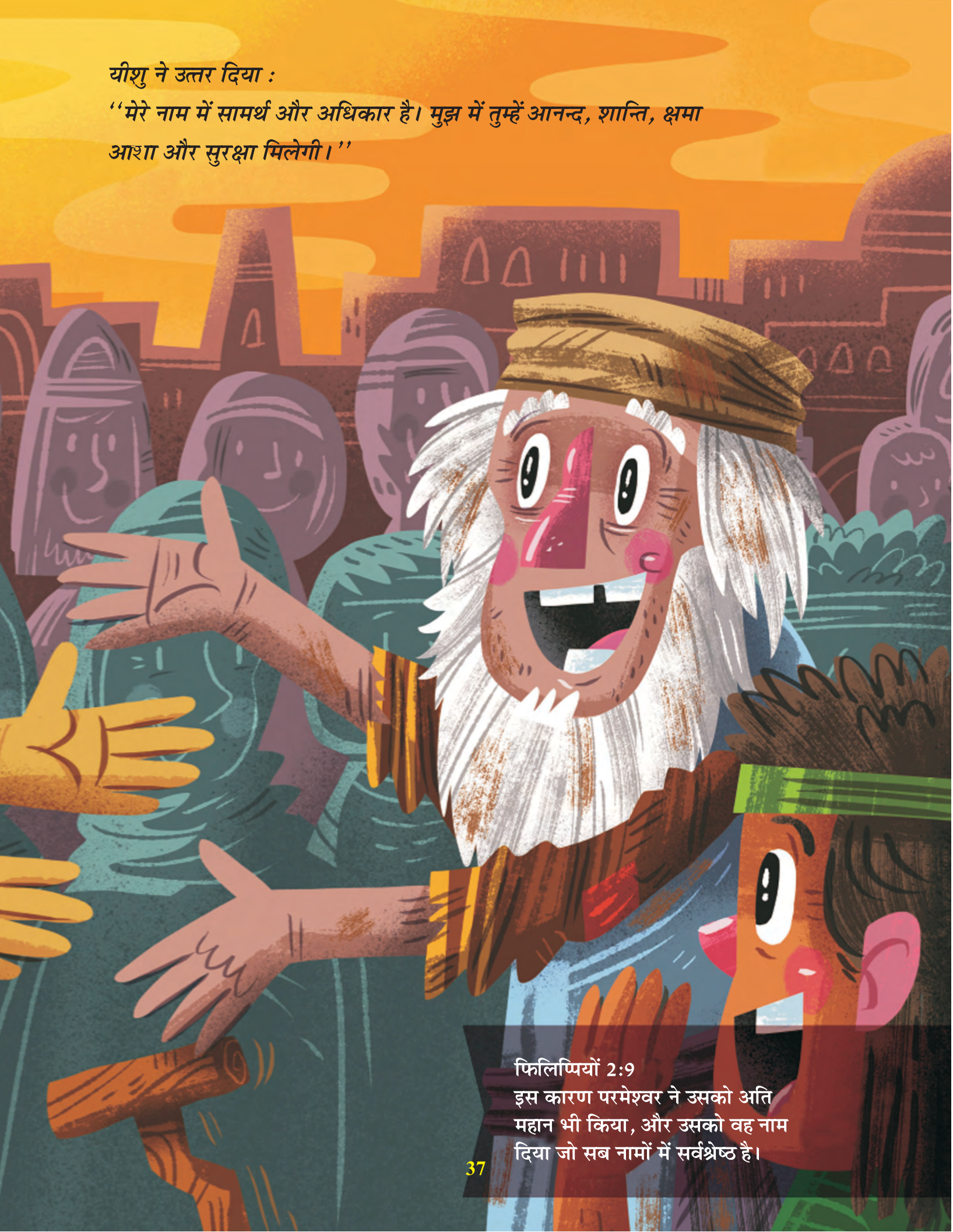

फिलिप्पियों 2:9
इस कारण परमेश्वर ने उसको अति महान भी किया, और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में सर्वश्रेष्ठ है।

बच्चों के लिये
प्रार्थना वाचा की सामर्थ

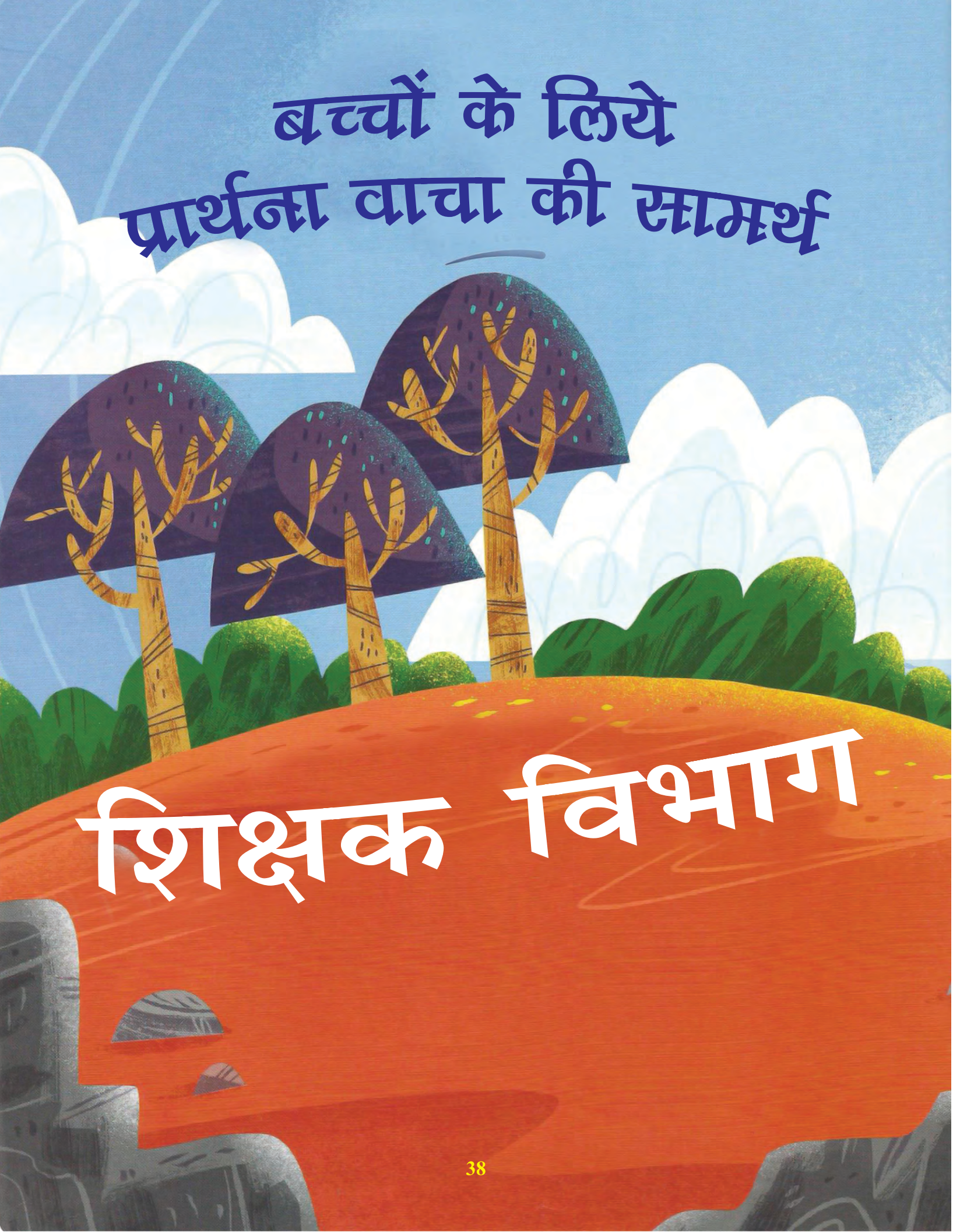

शिक्षक विभाग

प्रारम्भ करें

बच्चों के लिये 40 दिन की प्रार्थना वाचा पाठ्यक्रम, प्रार्थना की एक–एक पंक्ति अनुसार एक अध्ययन मार्गदर्शिका है। सम्पूर्ण अध्ययन मार्गदर्शिका में निम्नलिखित श्रेणियां दी गई हैं :

1 क्या आप यह कह सकते हैं?

यहाँ प्रार्थना और सम्बन्धित स्मरण पद बच्चों के लिये प्रस्तुत कर रहे हैं। इसमें बच्चों के लिए प्रार्थना और सम्बन्धित स्मरण पद, दोनों में, बच्चों की अगुवाई करें, उन्हें इसे दोहराने का अवसर दें। इसे अनेक बार करें।

2 क्या आप इसे ढूंढ सकते हैं ?

पवित्रशास्त्र के विषय का अतिरिक्त अध्ययन करने के लिए संन्दर्भ, दिये गए हैं। बच्चे कक्षा में इन्हें देख सकते हैं, बारी–बारी से बाइबल पदों को बोल कर पढ़ सकते हैं और उनके विचार से यह उनको जो बता रहा है उस बारे में बातचीत कर सकते हैं।

3 क्या आप इसे अनुभव कर सकते हैं ?

बच्चों को प्रश्न पूछना बहुत अच्छा लगता है, और यहाँ उनके पास अवसर है! यह वह स्थान है, जहाँ प्रस्तुत विषय पर वे अपनी चिन्ताओं, डर, सन्देहों और मान्यताओं पर खुलकर बात कर सकते हैं।

4 पापकार्न प्रार्थना ब्रेक आउट सत्र

यह बच्चों के व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना का अनुभव करने के लिये शान्त समय है। छोटी कक्षाओं में वे एक घेरे में खड़े हो सकते हैं और अगुवाई के अनुसार "पॉपकार्न प्रार्थना" या एक वाक्य की प्रार्थनायें कर सकते हैं। प्रार्थना के वाक्य के द्वारा इस समय को आरम्भ करें और फिर अन्यों को इसका अनुसरण करने दें। इसे छोटे समूहों में एक मेज के चारों ओर बैठ कर, फर्श पर बैठ कर, संसार के नक्शों तथा ग्लोब पर हाथ रख कर किया जा सकता है! यह बच्चों को सीखने में सहायता करता है कि प्रार्थना करना सरल, मजेदार और एक साथ मिलकर करने वाला बड़ा अच्छा अनुभव है।

प्रारम्भ करें

5

यह बताएं!

इस विभाग में बातचीत और घनिष्ठता को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ गहरे परिचर्चा आरंभकों को रखा गया है।

6

क्या आप यह सुन सकते हैं?

बच्चों के लिए दी गई बाइबल कहानी को पढ़ें अथवा बच्चों को अपने शब्दों में उस कहानी को बताएं।

7

क्या आप यह कर सकते हैं।

यह सत्र का प्रयोग वाला विभाग है। इसमें बच्चों के लिये चुनौतियों और लक्ष्यों को प्रस्तुत किया गया है कि वे सोचें और परिचर्चा करें।

8

कार्य पुस्तिका

प्रत्येक सत्र के साथ आप रंगीन कार्य पुस्तिकाऐं पायेंगे जो कक्षा के समय को उत्तम बतायेगी और बच्चे उसका पुनरावलोकन करेंगे जो उन्होंने सीखा है। पुस्तक के अन्त में एक प्रार्थना वाचा विवरण प्रपत्र है जहां बच्चे उन लोगों के नाम लिखेंगे जिनके साथ उन्होंने वाचा बांधी है।

www.theprayerscovenant.org पर ऑनलाइन सुविधाजनक पैक में उन्हें मंगा सकते हैं।

9

यह एक रैप गीत है!

अन्त में हमने सर्वोत्तम को रखा है। यह सत्र का गतिविधि वाला विभाग है। काले शब्दों में लिखे हुए वाक्यों के साथ अगुवा आरम्भ करता है और बच्चे नीले शब्दो को पढ़ते हैं। इस सत्र से जो कुछ बच्चो ने सीखा है उसे रचनात्मक बनाने के लिए बच्चो को अपना रैप गीत लिखने को कहें। बोर्ड पर उनके विचारो को लिखें और जो उन्होंने लिखा है, जब उसे रैप करते हैं तो उससे उत्पन्न ऊर्जा को सुनें। दूसरी बार यह करते हुए आप गाने की गति बढ़ा सकते हैं। सत्र को "रैप" के रूप में सुनते हुए इसका आनन्द लें।

अनुग्रह

क्या आप कह सकते हैं?

प्रिय परमेश्वर पिता, मुझसे प्रेम करने और मुझे अपनी एक संतान बनाने के लिये आपका धन्यवाद।

1 यूहन्ना 3:1

देखो पिता ने हम से कैसा प्रेम किया है, कि हम परमेश्वर की सन्तान कहलाएं।

क्या आप इसे ढूढ़ सकते हैं ?

यूहन्ना 3:16

1 यूहन्ना 4:10

रोमियो 8:38-39

आप कैसे जान सकते हो कि परमेश्वर हमें प्रेम करता है?

आप अपने प्रेम को कैसे दिखा सकते हो?

क्या आप अनुभव कर सकते हैं ?

क्या चीज है जो हमें उसके संतान होने में मदद करती है?

किन बातों से आपको प्रेम का अनुभव होता है?

अनुग्रह

''पापकार्न प्रार्थना''

ब्रेक आऊट सत्र

यदि आपकी कक्षा बड़ी है, तो छोटे समूह बनायें और इस प्रार्थना में उनकी अगुवाई करें, पिता परमेश्वर **मुझसे प्रेम करने और मुझे अपनी एक सन्तान बनाने के लिये आपका धन्यवाद।"** बच्चो को इस वाक्य को दोहराने को कहें और फिर उनसे कहें, कि वे एक एक करके एक वाक्य की प्रार्थना करें, जिसमें वे परमेश्वर को बताएं कि उसकी सन्तान होना उन्हें कितना अच्छा लगता है, परमेश्वर के अनन्त प्रेम का उनके लिए क्या मतलब है, और उसके इस प्रेम के लिए उसे धन्यवाद दें। यदि आपकी कक्षा छोटी है, तो बच्चे हाथ पकड़ कर एक गोला घेरा बना लें और प्रत्येक बच्चा प्रार्थना की अगुआई पाने पर प्रार्थना कर सकता है।

यह बताएं!

- अनुग्रह का अर्थ तब भी प्रेम किये जाने है जब हमने उस प्रेम को पाने के लिए कुछ भी न किया हो।
- हम जानते हैं कि परमेश्वर हमसे प्रेम करता है क्योंकि उसने हमें बनाया, हमारी आवश्यकताओं को पूरा किया, हमारे लिए अपने एकलौते पुत्र यीशु को क्रूस पर मरने को भेजा।
- क्या आप अनन्त प्रेम का मतलब जानते हैं ?इसका अर्थ कभी न समाप्त होने वाले प्रेम से है। असंख्य वर्षों में भी नहीं।
- आपके कुछ गलत करने पर भी इसका अन्त नहीं होगा।
- आपके भयभीत होने पर भी इसका अन्त नहीं होगा।
- जिससे आप प्रेम करते हैं उसकी मृत्यु हो जाने पर भी इसका अन्त नहीं होगा।
- आपके माता–पिता की नौकरी छूट जाने पर इसका अन्त नहीं होगा।
- स्कूल में आपको अच्छे अंक न मिलने पर भी इनका अन्त नहीं होगा।
- चाहे कुछ भी हो, यीशु के प्रेम का कभी कोई अन्त नहीं होगा और न ही यह कभी कम होगा।

बच्चों को परमेश्वर के प्रेम के बारे में अपने विचारो को खुले रूप से बताने को कहें: वे परमेश्वर के प्रेम को खोने के बारे में उनके भय तथा चिन्ताओं को, अथवा उसके प्रेम के बारे में सीखने और अनुभव करने से मिले आनन्द और प्रसन्नता को बतायें।

अनुग्रह

क्या आप यह सुन सकते हैं ?

खोई हुई भेड़ का दृष्टान्त (लूका 15:1-7)

यीशु चाहता था कि हर कोई जाने कि परमेश्वर उनसे कितना प्रेम करता है। उसने एक चरवाहे और उसकी खोई हुई भेड़ की एक कहानी सुनाई। चरवाहा खोई हुई भेड़ के बारे में इतना चिन्तित था कि वह भेड़ों के बाकी झुन्ड को छोड़ कर इस खोई भेड़ को ढूंढने निकल पड़ा। भेड़ें कभी–कभी भटक जाती हैं और अपना स्वयं का मार्ग ले लेती हैं। वे बेबस जानवर हैं जो आसानी से भालू, भेड़ियों अथवा शेरों का शिकार हो जाती हैं। एक चरवाहे का काम, खतरे से भेड़ को सुरक्षा प्रदान करना है, और यही इस चरवाहे ने भी किया था। भेड़ को ढूंढ लेने पर वह इतना आनन्दित था कि उसे अपने कंधे पर बिठा कर घर तक ले कर गया था। फिर उसने अपने सारे मित्रों और पड़ोसियों को आमन्त्रित किया कि भेड़ के मिल जाने पर आनन्द मनायें। यीशु ने बताया कि ऐसा ही स्वर्ग में तब होता है जब एक लड़का या लड़की, पुरूष या स्त्री, यीशु को अपने उद्धारकर्त्ता के रूप में स्वीकार करते हैं– वे जो खो गये थे अब मिल गयें हैं और इससे स्वर्ग में महान आनन्द, प्रसन्नता और उत्सव मनाया जाता है! सपन्याह 3:17 उस आनन्द का अनुभव करने में हमारी सहायता करता है जो हमारा पिता परमेश्वर अपनी संतानों के लिये करता है। ''वह उद्धार करने में पराक्रमी है वह तेरे कारण आनन्द से मगन होगा, वह अपने प्रेम कारण शान्त रहेगा, फिर ऊँचे स्वर से गाता हुआ तेरे कारण मगन होगा।'' इससे आपको कैसा अनुभव होता है?

क्या आप यह कर सकते हैं ?

- विश्वास करें कि यीशु आपके पापों के लिये मरा था और आप के हृदय में रहता है, और इसे दूसरो को भी बतायें।
- विश्वास करें, उसके अनुग्रह ने आपको उसकी प्रिय संतान बनाया है।
- विश्वास करें, आपके लिए उसके प्रेम का कभी अन्त नहीं होगा, चाहे कुछ भी हो।
- विश्वास करें कि परमेश्वर आज किसी को अपने अनुग्रह के संदेश को बताने के लिए आपका प्रयोग कर सकता है।

अनुग्रह

कार्य पुस्तिका

1. **क्या आप प्रार्थना की पहली लाइन - अनुग्रह, याद है और इसे नीचे लिखें?**

2. **खाली स्थान भरें**

1 यूहन्ना 3:1 देखो पिता ने हम से कैसा ..... है, कि हम परमेश्वर की .....
..... कहलाऐं; और हम हैं भी इस कारण ..... नहीं जानता, क्योंकि .....
..... जाना ।

3. **आप अपने शब्दों में बता सकते हैं, कि आपके अनुसार क्या बात आपको सदैव के लिये परमेश्वर की संतान बनाती है?**

4. **आपके माता-पिता के समान यीशु आपको आपके नाम से और आपके बारे में सब कुछ जानता है! क्या आप एक वाक्य अथवा एक के चित्र के द्वारा अपने इस अनुभव को दर्शा सकते हैं ?**

5. **प्रतिक्रिया का समय:**
धन्यवाद देना अच्छा होता है, इससे यीशु प्रसन्न होता है, क्या आप यीशु को धन्यवाद देने के लिए कुछ बातें लिख सकते हैं?

अनुग्रह

मैं राजाओं के राजा की एक प्रिय संतान हूँ!

मै हूँ, मैं हूँ!

मैं सब अनंतकाल के लिए उसकी बहुमूल्य संपत्ति हूँ!

मै हूँ, मैं हूँ!

मैं उसके अनुग्रह से बचाया गया और उसके लहू से छुड़ाया गया हूँ!

मै हूँ, मैं हूँ!

मैं उसके पंखों से ढका हूँ और मुसीबत से सुरक्षित हूँ!

मै हूँ, मैं हूँ!

मैं धन्यवादित हूँ कि मेरे लिए उसका प्यार, कभी भी खत्म नहीं होगा !

मै हूँ, मैं हूँ!

मैं सर्वोच्च परमेश्वर की संतान हूँ!

आमीन !

शिक्षक काले वाक्यों को पढ़ने के द्वारा अगुवाई करता है और बच्चे नीले रंग में लिखे शब्दो को दोहराते हैं। इसके बाद कक्षा को उत्साहित करें कि वे एक समुह के रूप में अपना बनाया हुआ रैप गीत लिखें उनके सुझावों को बोर्ड पर लिखें। बच्चों ने अभी अभी जो लिखा है जब वे उसे गाते हैं तो उनकी उत्तेजना का अवलोकन करें।

प्रेम

क्या आप कह सकते हैं?

आपसे प्रेम करने में तथा आज्ञा मानने में मेरी मदद करें।

मत्ती 22:37-38

तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख बड़ी और मुख्य आज्ञा तो यही है।

क्या आप इसे ढूंढ़ सकते हैं ?

व्यवस्थाविवरण 7:9

यूहन्ना 14:15

2 यूहन्ना 1:6

कुलुस्सियों 3:20

आज्ञाकारिता क्या है ?

क्या आज्ञाकारिता की तुलना में, प्रेम ज्यादा महत्वपूर्ण हैं ?

क्या आप अनुभव कर सकते हैं ?

आज्ञाकारिता से प्रेम क्यों जुड़ा हैं?

प्रेम

"पापकार्न प्रार्थना" ब्रेक आउट सत्र

यह प्रार्थना करके फिर से बच्चों की प्रार्थना के समय में अगुवाई करें, "**आप से प्रेम करने में और आप की आज्ञा मानने में मेरी सहायता करें।**" बच्चों को प्रार्थना दोहराने को कहें, उन्हें एक वाक्य की प्रार्थना करने के लिय उत्साहित करें जहां वे अपने शब्दों में परमेश्वर से निवेदन करें कि उससे प्रेम करना और उसकी आज्ञा मानना सीखने के लिये वह उनकी सहायता करें।

यह बताएं!

- यीशु चाहता है कि हम अपने माता पिता की आज्ञा मानें।
- यीशु चाहता है कि हम उसकी आज्ञा मानें। इससे वह प्रसन्न होता है।
- हम सब बातों में परमेश्वर की आज्ञा मानने के द्वारा उसके लिये अपने प्रेम को दर्शाते हैं।
- इस कहानी में आप देखेंगे कि आज्ञाकारिता से आशीषें प्राप्त होती हैं।
- यीशु की आज्ञा मानते हुए चलाना एक रोमांचक यात्रा हैं।

यहां आप आज्ञाकारिता के बारे में परिचर्चा आरम्भ कर सकतें हैं। जब हम अपने अभिभावकों का आज्ञा पालन करते हैं तो वास्तव में परमेश्वर की आज्ञा मान रहे हैं, क्योंकि उसने कहा था कि हमें सब बातों में अपने अभिभावकों की आज्ञा पालन करना है। आज्ञाकारी रहने में बच्चों ने जिन चुनौतियों का सामना किया है, न केवल उनकी परन्तु आज्ञाकारिता के कारण मिली आशीषों की भी सहभागिता करने के लिये बच्चों से कहें । अन्त में, यह समझने में उनकी सहायता करें कि प्रेम और आज्ञाकारिता कैसे एक दूसरे से जुड़े हैं।

प्रेम

क्या आपने सुना है?

अब्राहम की कहानी (उत्पत्ति 12:1-5)

बहुत समय पहले अब्राहम नाम का एक व्यक्ति था। जब वह बहुत बूढ़ा हो गया तब परमेश्वर ने उससे कहा, "तू अपने देश, अपने परिवार और अपने रिश्तेदारों को छोड़ दे, और जो देश में तुझे दिखाऊँगा वहाँ चला जा। मैं तुझे आशीष दूंगा और तेरे वशंजो को एक बड़ी जाति बनाऊँगा। तू धन्य होगा और दूसरों के लिये एक आशीष का कारण होगा। पृथ्वी पर सारे लोग तेरे कारण आशीष पाएंगे।" अब्राहम ने परमेश्वर की आज्ञा को माना। वह अपनी पत्नी सारा, अपने भतीजे लूत और अपनी सारी सम्पत्ति के साथ वहां से निकल गया। वे अपने घर, अपने शहर हारान से बहुत दूर एक नये नगर जिसे उन्होने वाचा का देश कहा आ गये। आप के विचार से अब्राहम ने वह क्यों किया, जो परमेश्वर ने उससे करने को कहा था? हाँ आप ठीक समझे। वह प्रेम करना और आज्ञा मानना सीख रहा था। उसकी आज्ञाकारिता उसके रोमांचक जीवन की यात्रा का एक आरम्भ था कि वह आज्ञाकारिता, प्रेम और विश्वास में बढ़ता जाये।

क्या आप कर सकते हैं?

- परमेश्वर जो कहता है उसे मान कर उसके प्रति अपने प्रेम और भक्ति को दर्शायें।
- अपने अभिभावकों की आज्ञा मानें, क्योंकि इससे परमेश्वर को आदर मिलता है।
- जब आप नहीं समझ पाते हैं तब भी परमेश्वर पर विश्वास करें और उसकी आज्ञा माने।

प्रेम

कार्य पुस्तिका

1. क्या प्रार्थना की दूसरी पंक्ति, प्रेम, आपको याद है उसे नीचे लिखें।

2. खाली स्थान भरें

मत्ती 22:37,38 तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे..... और अपने सारे .....
और अपनी सारी ..... के साथ ..... रख ..... और प्रमुख .....
... यही है।

3. आज्ञाकारिता का क्या अर्थ है ?

4. आज्ञाकारी बनने में सबसे कठिन बात आपको क्या लगती है?

5. **प्रतिक्रिया –समय:**

एक कागज पर, अपनी सबसे अच्छी लिखावट में आज के स्मरण पद को लिख लें, और फिर उसको अपने मनपसन्द रंगीन कागज पर चिपकाऐं, और वह रंगीन कागज कड़ा होना चाहिए, ताकि वह एक फ्रेम के जैसा दिखे। फिर आप उसको अपने कमरे की दीवार पर या अपनी मेज पर लगा सकते हैं जो आपको परमेश्वर की महान आज्ञा याद दिलाएगा।

प्रेम

यह एक

अपने प्रत्येक दिन की शुरूआत में आपको क्या करना चाहिऐ ?

विश्वास, आज्ञाकारिता और प्रार्थना!

जब आप परमेश्वर का पवित्र वचन पढ़ते हैं तो आपको क्या करना चाहिए ?

विश्वास, आज्ञाकारिता और प्रार्थना!

जब गलती करने के प्रलोभन में आप पड़ते हैं तब आपको क्या करना चाहिये?

विश्वास, आज्ञाकारिता और प्रार्थना!

जब आपका दिन अच्छा नही जाएगा तो आपको क्या करना चाहिए ?

विश्वास, आज्ञाकारिता और प्रार्थना!

जब आप को रात में डर लगे तो आपको क्या करना चाहिए ?

विश्वास, आज्ञाकारिता और प्रार्थना!

आप ऐसा क्या करेंगे जो परमेश्वर की दृष्टि में अच्छा हो?

विश्वास, आज्ञाकारिता और प्रार्थना!

शिक्षक काले रंग में लिखें वाक्यों को पढ़ने के द्वारा अगुवाई करता है और बच्चे नीले रंग मे लिखे शब्दों को दोहराते हैं। इसके बाद कक्षा को उत्साहित करें कि वे एक समुह के रूप में अपना बनाया हुआ रैप गीत लिखें उनके सुझावों को बोर्ड पर लिखें। जो रैप उन्होने लिखा है जब वे इससे उत्तेजित होते हैं तो उनके साथ आनन्दित हों!

करूणा

क्या आप कह सकते हैं ?

जिस तरह आप मुझसे प्रेम करते हैं वैसे ही दूसरों से प्रेम करने में मेरी सहायता करें।

यूहन्ना 15 : 12

"मेरी आज्ञा है, कि जैसा मैं ने तुम से प्रेम रखा, वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रखो। "

क्या आप ढूंढ सकते हैं ?

मत्ती 5:44-48
1 कुरिन्थियों 13:4-7
1 यूहन्ना 4:7-11
1 यूहन्ना 3:18

क्या आप अनुभव कर सकते हैं ?

- हमें किससे प्रेम करने की आज्ञा दी गयी है?
- हम कैसे प्रेम करें ?
- आप किस समय अपने परिवार के प्रेम को सचमुच अनुभव करते हैं ?
- आपको परमेश्वर का प्रेम कब अनुभव होता है?

करूणा

"पापकार्न प्रार्थना" ब्रेकआउट सत्र

बच्चों की प्रार्थना समय में यह कह कर दुबारा अगुवाई करें, " जिस प्रकार आप मुझसे प्रेम करते हैं, वैसे ही दूसरो से प्रेम करने में मेरी सहायता करें। "बच्चो को यह प्रार्थना दोहराने को कहें। उन्हे एक वाक्य प्रार्थना करने के लिए उत्साहित करें जहां वे अपने शब्दों में परमेश्वर से यह मागें कि उन्हें वे तरीके बताऐ जिनसे कि उसके प्रेम को वे दूसरों पर प्रगट करें।

बतायें!

- दूसरों से प्रेम करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि अपने सम्पूंर्ण हृदय, प्राण और बुद्धि से परमेश्वर को प्रेम करना।
- दूसरो को प्रेम करने का मतलब अपने दोस्तों से और दुश्मनों से प्रेम करना है। यह वास्तव में कठिन है।
- दूसरों को प्रेम करने का अर्थ है यीशु मसीह की तरह बलिदान युक्त प्रेम करना, अपने से पहले दूसरो के लिये सोचना। जिस तरह परमेश्वर हमसे प्रेम करता है, वैसे ही हम दूसरो से प्रेम करें, इसका क्या मतलब है ?

जैसा यीशु चाहता है वैसे दूसरो से प्रेम करने में उनकी जो चिन्ताएँ जो चुनौतिया हैं, उनकी सहभागिता और परिचर्चा करने के लिए बच्चो को उत्साहित करें। मत्ति 5 में दिये गये गद्यांश का सन्दर्भ दें। बच्चे शायद सम्बन्धो में अपने संघर्षो की सहभागिता करना चाह सकते हैं और यह भी बता सकते हैं कि जो उनके समान नही हैं उनसे प्रेम करना क्यों कठिन है। 1कुरिन्थियों 13 में बताये गये प्रेम के लक्षणो के बारे में बतायें किनका पालन करना कठिन है और किनका आसान है।

करूणा

क्या आपने सुना है ?

अच्छा सामरी लूका 10:25-37

परमेश्वर जैसे हमें प्रेम करता है वैसे ही दूसरों से प्रेम करने का क्या अभिप्राय है? आइये, इसे जाने।

किसी ने यीशु से पूछा मेरा पड़ोसी कौन है,? यीशु ने उसे कहानी के माध्यम से यह बताया था। वे बहुधा ऐसा करते थे। यीशु एक बहुत अच्छे कहानी वक्ता थे। उन्होने कहा, एक व्यक्ति यरूशलेम से यरीहो की ओर जा रहा था तभी कुछ बुरे व्यक्तियों द्वारा उस पर हमला हुआ, और उन्होने उसे बहुत मारा, और उसका सारा धन, और जो कुछ भी उसके पास था ले लिया, और उसको सड़क के किनारे अधमरा छोड़ कर चले गऐ। एक पुरोहित वहाँ आया और मार्ग में उस व्यक्ति को पड़ा देखा और देखकर दूसरे मार्ग से चला गया । तुम्हारे और मेरे अनुसार, वह दयालु नही था, अथवा क्या वह दयालु था?"यीशु ने आगे बताना जारी रखा, और फिर एक लेवी अर्थात धार्मिक व्यक्ति वहां से गुजरा और वह उस व्यक्ति को लाँघता हुआ दूसरी ओर चला गया।" क्या वास्तव में उसने ऐसा किया? सच में जानते हो फिर क्या हुआ? एक सामरी (यहूदी उन्हें अछूत समझते थे) वहाँ से गुजरा और उसने उस जख्मी व्यक्ति को वहाँ देखा, सोच कर बताओ, उसने क्या किया होगा ?उसने उसकी मदद करके परमेश्वर के प्रेम को उस पर दिखाया। उस सामरी व्यक्ति ने उसके जख्मो पर पट्टी बांधी और उसे गधे पर बैठा कर पास की एक सराय में ले गया और सराय के मालिक से तब तक उसकी देखभाल करने को कहा जब तक वह पुनः अच्छा नही हो जाये। सामरी ने उससे कहा, इसकी देखभाल के लिये यह चाँदी के कुछ सिक्के हैं , और यदि अधिक खर्चा होगा तो मैं लौटते समय उसें चुका दूंगा। क्या आप जानते हैं कि यीशु ने इस कहानी को कैसे समाप्त किया था? उन्होने कहा, "अब जाओ और बिलकुल वैसा ही करो।"

क्या आप कर सकते हैं ?

- यीशु की तरंह प्रेम करें बिना किसी स्वार्थ के।
- अपने कार्य से प्रेम को दर्शायें, केवल शब्दों से नही। अगर सच में दूसरो की चिंता करते हैं तो उन पर दया भी करें।
- यीशु को अपने सम्पूर्ण हृदय से प्रेम करें, और पवित्र आत्मा से कहें कि वह आपके द्वारा दूसरो को प्रेम करे।

करूणा

कार्य पुस्तिका

1. क्या आपको प्रार्थना की तीसरी पंक्ति - करूणा, याद है ?इसे नीचे लिखें

2. खाली स्थान भरें

   यूहन्ना 15:12 मेरी ..... यह है ..... तुम से.....
   ..... वैसा ही तुम भी ..... से .....

3. क्रुस पर यीशु की मृत्यु आपके लिए उसके सिद्ध प्रेम का एक उदाहरण क्यों हैं ?

4. एक ऐसा तरीका बताएं जिससे कि एक ऐसे व्यक्ति के प्रति आप बलिदान युक्त प्रेम दर्शा सकें जिसे आप जानते हैं।

5. प्रतिक्रिया का समय:

   जिसके प्रति आप प्रेम दर्शाना चाहते हैं उसके लिए कागज, रंगीन पेन्सिलों और मार्कर पेनो का उपयोग करके एक कार्ड बनायें। आप चाहें तो इस कार्ड पर आज के लिए बाईबल के स्मरण पद को लिख सकते हैं!

करूणा

यह एक गीत है!

परमेश्वर, मैं अपने सम्पूर्ण ह्रदय से आप से प्रेम रखता हूँ!

करता हूँ। करता हूँ!

परमेश्वर, मैं अपने सम्पूर्ण प्राण से आप से प्रेम रखता हूँ !

करता हूँ ! करता हूँ!

परमेश्वर, मैं अपने सम्पूर्ण बुद्धि से आप से प्रेम रखता हूँ।

करता हूँ ! करता हूँ!

परमेश्वर, में अपनी सम्पूर्ण सामर्थ से आप से प्रेम रखता हूँ!

करता हूँ! करता हूँ!

आपका प्रेम ऐसा कुछ है जिसे मैं देखना और महसूस करना चाहता हूँ !

करता हूँ! करता हूँ!

मैं दूसरो को भी दिखाना चाहता हूँ कि आपका प्रेम वास्तविक है

करता हूँ ! करता हूँ!

मुझे दुनिया को बदलने के लिए करूणा भरा एक दिल दीजिये।

शिक्षक काले वाक्यों को पढ़ने के द्वारा अगुवाई करता है और बच्चे नीले रंग में लिखे शब्दो को दोहराते हैं इसके बाद कक्षा को उत्साहित करें कि वे एक समूह के रूप में अपना बनाया हुआ रैप गीत लिखें। उनके सुझावो को बोर्ड पर लिखें। जो रैप उन्होने लिखा है जब वे इससे उत्तेजित होते हैं,, तो उनके साथ आनन्दित हों !

पश्चात्ताप

क्या आप कह सकते हैं?

मैं अपने पापों के लिए क्षमा चाहता हूँ। मुझे धो कर शुद्ध करें।

भजन संहिता 51:2

मुझे भली भांति धोकर मेरा अधर्म दूर कर, और मेरा पाप छुड़ाकर मुझे शुद्ध कर।

जब आप कुछ गलत करते हैं तो कैसा अनुभव करते हैं ?

जब आपको क्षमा कर दिया जाता है तो कैसा अनुभव करते हैं ?

क्या आप ढूंढ़ सकते हैं ?

मत्ती 6:9-15

रोमियों 10:9-10

1 यूहन्ना 1:9

क्या आप अनुभव कर सकते हैं ?

"मैं माफी चाहता हूँ", यह कहने से आप को क्या रोक सकता है?

पश्चात्ताप

" पापकार्न प्रार्थना "
ब्रेक आऊट सत्र

बच्चों की प्रार्थना समय में यह कहकर दुबारा अगुवाई करें "मेरे पापों के लिए मुझे माफ करें। धोकर मुझे साफ करें। " बच्चो को यह प्रार्थना दोहराने को कहें। एक वाक्य प्रार्थना के लिए उत्साहित करें जहां वे अपने शब्दो में परमेश्वर से यह मागें कि वह उन्हें क्षमा करे तथा/या दूसरों को क्षमा करने में उनकी सहायता करे।

बतायें

- क्षमा को समझने के लिए, आपके लिए सबसे कठिन बात क्या है ?
- जिन्होंने आपको चोट पहुँचाई है उन्हें क्षमा करना क्यों कठिन हो सकता है ?
- यह कहना क्यों कठिन है, मैं क्षमा चाहता हूँ, कृप्या मुझे क्षमा करें।
- परमेश्वर, अपने अभिभावकों, भाई बहनों, अथवा मित्रों के सम्भुख शुद्ध रहने से आप कैसा अनुभव करते हैं ?

आपके सारे पापों को क्षमा करने की परमेश्वर की इच्छा के बारे में बातचीत करने के द्वारा परिचर्चा की अगुवाई करें। वह हमारा उदाहरण है, और क्योंकि वह हमें क्षमा करता है, इसलिये हमे दूसरों को क्षमा करने के प्रति इच्छुक होना चाहिए। आप एक साथ मिलकर प्रभु की प्रार्थना को पढ़ना चाह सकते हैं। बच्चो को उन समयो के बारे मे खुलकर सहभागिता करने को कहें जहां उन्हे क्षमा करना कठिन लगता है और इसकी तुलना वे इस बात से करें कि जब उन्हें क्षमा किया गया है तब वे कैसा अनुभव करेंगे?

पश्चात्ताप

क्या आपने सुना है?

क्षमा नहीं कर पाने वाले सेवक का दृष्टान्त (मत्ती18:21-35)

पतरस ने यीशु से कहा, "हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे तो मैं उसे कितनी बार क्षमा करूँ। क्या सात बार तक ?" यीशु ने उत्तर दिया, "सात के सत्तर गुना तक," और उन्होंने एक दूसरी कहानी सुनानी शुरू की। एक राजा था जिसने अपने दासों से लेखा लेना चाहा, लेकिन उनमें से एक दास ने राजा से बड़ी रकम ली हुई थी, जिसे वह देने में असमर्थ था। राजा ने कहा कि इसकी पत्नी और बाल बच्चे और जो कुछ उसका है सब बेचा जाए और कर्ज चुकाया जाऐ। तब वह दास रोने लगा और बोला, "कृप्या ऐसा ना करें। मैं आप से विनती करता हूँ मुझ पर और मेरे परिवार पर दया करें।'' राजा बहुत दयालु था और दयालु राजा ने उस पर तरस खाया और कहा मैं तुम्हारा सारा कर्जा माफ करता हूँ और मुक्त करता हूँ।'' परन्तु सोचें कि इस मुक्त किये गये व्यक्ति ने आगे क्या किया? वह वहां से बाहर निकला तो उसे अपना दास मिला जिसने उस व्यक्ति से एक छोटी रकम उधार ली थी, और उसने कहा, '' अगर तुमने मेरे पैसे वापस नही किए तो मैं तुम्हे जेल में डलवा दूंगा।'' उस दास ने उससे बिनती की, और कहा, ''मुझ पर दया करो''। लेकिन वह बहुत कठोर ह्रदय का व्यक्ति था उसने उस पर दया नही दिखायी और उसको जेल में डलवा दिया, और जब राजा को यह बात पता चली तो वह बहुत दुखी हुआ और क्रोधित भी हुआ। राजा ने उसे बुलाकर कहा,'' हे दुष्ट दास मैंने तुम्हारे इतने बड़े कर्ज को क्षमा किया क्योंकि तुमने मुझ से बिनती की थी तो तुमने अपने दास पर दया क्यों नही दिखाई?'' क्या आप जानते हैं राजा ने क्या किया राजा ने उसे जेल में डलवा दिया जब तक कि वह राजा का कर्ज चुका ना दे।

क्या आप कर सकते हैं?

- अपने पापों से प्रतिदिन पश्चाताप करें, परमेश्वर से कहें प्रभु मुझे शुद्ध कर दीजिए, हिम की नाई श्वेत बना दीजिए।
- विश्वास करें कि परमेश्वर आपके सारे पापो को धो देता है।
- परमेश्वर से कहें कि वह आपकी मदद करे जिससे कि आप पाप ना करें।
- परमेश्वर से कहें कि वह आपको क्षमाशील और दयालु बनने में मदद करें।
- हमेशा दूसरों को क्षमा करने के लिए तैयार रहें और उनके प्रति द्वेष ना रखें।

पश्चात्ताप

कार्य पुस्तिका

1. क्या आपको प्रार्थना की चौथी पंक्ति – पश्चाताप, याद है ?उसे नीचे लिखें

2. खाली स्थान भरें
भजन संहित 51:2 मुझे भंलि भांति धोकर मेरा..... दूर कर और मेरा..... छुड़ाकर मुझे ....कर।''

3. हमें क्यों प्रतिदिन परमेश्वर के सम्मुख अपने पापों को मानना चाहिए ?

4. यह क्यों जरूरी है कि हम दूसरों को क्षमा करें ?

5. प्रतिक्रिया का समय:
क्षमा के सम्पर्क– एक समान आकार की कागज के समान पट्टिया काटें। कागज की एक ओर लिखें– परमेश्वर मुझे क्षमा करता है जब .....। कागज के पीछे लिखें– मैं दूसरो को क्षमा करता हूँ जब .....। फिर टेप या स्टेपलर से प्रत्येक सम्पर्क को जोड़ें। आप इसे अपने कमरे मे लटका सकते हैं जिससे कि आपको परमेश्वर को धन्यवाद देना याद रहे कि उसकी क्षमा अन्तहीन हैं।

पश्चात्ताप

यह एक गीत है

हमें क्या करना चाहिये जब हम आज्ञा का उल्लंधन करते हैं ?

पश्चाताप, प्रार्थना करें और दूर हटें!

हमें क्या करना चाहिये, जब हम कुछ गलत बोल देते हैं ?

पश्चाताप, प्रार्थना करें और दूर हटें!

हमें क्या करना चाहिये, हम झूठ बोलते हैं ?

पश्चाताप, प्रार्थना करें और दूर हटे!

हमें क्या करना चाहिए, जब हम झगड़ा करते हैं?

पश्चाताप, प्रार्थना करें और दूर हटे!

हमें क्या करना चाहिए, जब हम दूसरो को क्षमा नही करते हैं ?

पश्चाताप, प्रार्थना करें और दूर हटे!

हमें क्या करना चाहिए, जब हम दयालु नही होते हैं ?

पश्चाताप, प्रार्थना करें और दूर हटें!

हमें क्यों करना चाहिए, जब हम अपना मार्ग चुनते हैं ?

पश्चाताप, प्रार्थना करें और दूर हटें!

शिक्षक काले रंग मे लिखे वाक्य को पढ़ कर अगुवाई करता है, और बच्चे नीले रंग के वाक्य को पढ़ते हैं। इसके बाद कक्षा को एक समूह के रूप में अपना स्वयं का बनाया हुआ रैप गीत लिखने को कहें और उनके सुझावों को बोर्ड पर लिखें। बच्चों ने जो लिखा है जब वे उसे गाते हैं तब उनकी उत्तेजना के साथ आनन्दित हों।

आराधना

क्या आप कह सकते हैं ?

मैं अपने सम्पूर्ण हृदय से आपकी स्तुति करूंगा!

भंजन संहिता 9:1

हे यहोवा परमेश्वर, मैं अपने पूर्ण मन से तेरा धन्यवाद करूँगा मै तेरे आश्चर्यकर्मो का वर्णन करूँगा।

क्या आप ढूंढ सकते हैं ?

भजन संहिता 145

मत्ती 21 : 16 –17

1 थिस्सलुनीकियों 5:18

प्रकाशितवाक्य 4:8–11

स्तुति क्या है ?

मैं कैसे परमेश्वर की स्तुति कर सकता हूँ?

क्या आप अनुभव कर सकते हैं ?

मैं कब परमेश्वर की आराधना और स्तूति कर सकता हूँ

आराधना

"पापकार्न प्रार्थना"
ब्रेक आऊट सत्र

फिर से यह प्रार्थना करते हुए प्रार्थना समय में बच्चो की अगुवाई करें, "हे परमेश्वर मै अपने सम्पूर्ण हृदय से आपकी स्तुति करूँगा। "बच्चो को इस प्रार्थना को दोहराने को कहें स्तुति और आराधना के एक वाक्य वाली प्रार्थनाए करने के लिए उन्हे उत्साहित करें – जहॉ वे परमेश्वर को कहें कि वह इतना अधिक महान और श्रद्धा योग्य और अदभुत है। यह आराधना गीत की एक पंक्ति हो सकती है जहॉ परमेश्वर की महानता अथवा जो कुछ भी वे कहना चाहते हैं उसे प्रार्थना में बोल सकते हैं।

बतायें

- कभी–कभी अन्य बातों से अधिक, परमेश्वर की स्तुति करना सरल है।
- बतायें कि कब आपको परमेश्वर की स्तुति करना सरल लगता है।
- बताये कि कब आपको परमेश्वर की स्तुति करना कठिन लगता है।
- परमेश्वर के प्रति धन्यवाद से भरा हृदय रखना न केवल उसे भाता है परन्तु यह उसकी स्तुति करने का एक भाग है। जब आप जागते हैं तब उसकी स्तुति करें! जब आप भोजन करते हैं तब उसकी स्तुति करें! जब आप स्कूल जाते हैं तथा घर लौटते हैं तब उसकी स्तुति करें! सोने से पहले उसकी स्तुति करें।
- स्तुति करने की एक आदत विकसित करना न केवल आपके स्वर्गिक पिता को प्रसन्न करता है परन्तु आपको भी आनन्दित और आशीषित करता है।

बच्चे जानते हैं कि कैसे आराधना करनी चाहिए! यीशु के लिए अपने प्रेम को वे दबाते नहीं हैं, और यह संक्रामक हो सकता है। उन्हें बताने को कहें कि आराधना का कौन सा तरीका उन्हे सर्वोत्तम लगता है। धन्यवाद देने के बारे में बताना सुनिश्चित करें। हर समय हर एक बात के लिए धन्यवाद देना कठिन है। स्तुति और धन्यवाद देने की एक आदत विकसित करना कभी भी अच्छा है।

आराधना

क्या आपने सुना है ?

क्रिसमस की कहानी (लूका 1-2)

बहुत समय पहले, दो हजार साल से भी पहले, एक युवती जिसका नाम मरियम था उसे जिबराईल नाम के स्वर्गदूत का दर्शन मिला। मरियम के लिए उसके पास एक खास संदेश था। उसने कहा, ''भयभीत ना हो, मरियम, तुम पर परमेश्वर का अनुग्रह हुआ है। तुम एक पुत्र को जन्म दोगी और तुम उसका नाम यीशु रखना। वह महान होगा और परम प्रधान का पुत्र कहलाएगा।'' यीशु के जन्म की खबर के साथ, वहां एक महान आनन्द हुआ और अचानक से अनेक स्वर्गदूत स्वर्ग से उतर आए और परमेश्वर की महिमा करने लगे। उन्होने कहा, ''स्वर्ग में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।'' नये जन्मे हुए बालक राजा से भेंट करने और उसकी आराधना करने के लिए गरेड़िये वहां पहुंचे। जो बातें उन्होंने देखी व सुनी थी उसके लिए वे परमेश्वर की स्तुति और महिमा कर रहे थे। बालक यीशु को खोजते हुए पूर्व से तीन ज्योतिषी भी आये थे। रात्री में आकाश से चमकते एक सुन्दर तारे ने उन्हें मार्ग दिखाया जिससे कि वे अपने राजा की आराधना करने के लिए वहॉ पहुँच सके थे। मरियम, युसुफ, गरड़ियों और ज्योतिषियो ने जिस प्रकार यीशु की आराधना की थी, उसे आदर दिया था, वैसे ही हमें भी उसे आदर और आराधना देनी है। और एक दिन जब हम स्वर्ग में होंगे तब हम उसके सिंहासन के चारों ओर जमा होकर सदा के लिए उसका आदर और आराधना कर रहे होंगे।

क्या आप कर सकते हैं ?

- प्रतिदिन दिनभर परमेश्वर की स्तुति करें।
- हर परिस्थिति में परमेश्वर की आराधना करें। यहां आपको चुनाव करना है।
- परमेश्वर के प्रति और परमेश्वर ने जिन्हें आपके चारो ओर रखा है : आपका परिवार, आपके मित्र तथा अपके शिक्षक, इन सब के प्रति भी एक धन्यवाद से भरा हृदय रखें।
- स्तुति करने की आदत बनाऐं।

आराधना

कार्य पुस्तिका

1. क्या आपको प्रार्थना की पांचवी पंक्ति आराधना, याद है उसे लिखिऐ।

2. खाली स्थान भरें:
भजन संहिता 9:1 हे यहोवा परमेश्वर मैं ..... से तेरा .....
करूंगा, मैं तेरे ..... का ..... करूंगा।

3. यीशु की आराधना करने के विभिन्न तरीकों को क्या आप बता सकते हैं ?

4. आराधना करने का आपका सबसे मनपंसद तरीका कौन सा है ?

5. पानी की खाली बोतल की मदद से चावल के दानों को बजा कर यीशु के लिए गाइऐ और नाचिये। इस संगीत के यंत्र को बनाना सरल और मजेदार है, पानी की एक खाली बोतल में चावल के दाने या दाल डालें। बोतल को स्टीकर स्टीकर या मार्कर से सजाइये। यीशु के लिए गाइऐ और नाचिये।

आराधना

यह एक गीत है

यीशु हमारी स्तुति के योग्य है!

आमीन, आमीन!

हमें उसकी स्तुति हर दिन और पूरे दिन करनी चाहिए!

आमीन, आमीन !

अपने बच्चों का गाना सुनना उसे बहुत आनन्द देता है!

आमीन, आमीन !

इसलिए आओ सब एक साथ मिलकर उसकी स्तुति करो!

आमीन, आमीन !

यीशु हमारे पापों से हमें छुड़ाने आए थे!

आमीन, आमीन !

वह सर्वदा के लिए हमारा मसीहा हमारा राजा है !

आमीन, आमीन !

हम अनन्तकाल तक उसकी स्तुति और प्रंशसा करते रहेगें!

आमीन, आमीन !

शिक्षक काले वाक्यों को पढ़ने के द्वारा अगुवाई करता है और बच्चे नीले रंग में लिखे शब्दों को दोहराते हैं। इसके बाद कक्षा को उत्साहित करें कि वे एक समुह के रूप में अपना बनाया हुआ रैप गीत लिखें, उनके सुझावो को बोर्ड पर लिखें। जो रैप उन्होने लिखा है, जब वे इससे उत्तेजित होते हैं तो उनके साथ आनन्दित हों।

समर्पण

क्या आप यह कह सकते हैं ?

यीशु मैं आपके पीछे चलना चाहता हूँ। जैसे आप चाहें मुझे बदल दीजिये।

यूहन्ना 13:13

तुम मुझे ''गुरू'' और ''प्रभु'' कहते हो। तो ठीक ही कहते हो क्योंकि मैं वही हूँ।

क्या आप ढूंढ सकते हैं?

मत्ती 4:18-22

मत्ती 16:24

गलातियों 2:20

यीशु के पीछे चलने का अर्थ क्या है?

परमेश्वर मुझे कैसे बदल रहा है ?

क्या आप अनुभव कर सकते हैं ?

आप किसके और किस बात के पीछे चलने के लिए समर्पित हैं ?

यीशु जो चाहता है उसे करना आपको कैसा लगता हैं ?

सम्पर्ण

''पापकार्न प्रार्थना''

ब्रेक आऊट सत्र

इस प्रार्थना के द्वारा फिर से बच्चों की अगुवाई करें, "यीशु, अपने प्रभु के रूप में मै आपके पीछे चलना चाहता हूँ। जैसा भी आप चाहें, वैसा ही मुझे बनायें।" बच्चो के इस प्रार्थना को दोहराने को कहें। उन्हे एक वाक्य की प्रार्थनाओ को करने के लिए उत्साहित करें, जिसमे वे अपने प्रभु के रूप में यीशु के पीछे चलने की अपनी इच्छा को प्रकट करें।

यह बतायें।

- एक व्यक्ति अथवा कारण के प्रति प्रतिबद्ध होने का एक वचन, सर्म्पण है।
- सर्म्पणों में समय, धन, और कठिन परिश्रम सम्मिलित होता है। यह बिल्कुल एक खेल की टीम की तरह है– फीस भरो, तैयारी करो, और अन्त में खेलों में सम्मिलित हो।
- यीशु चाहता है कि अपने जीवन को प्रभु के रूप मे उसके पीछे चलने के लिए हम सर्म्पित हों। "जैसा आप मुझे बनाना चाहते हैं, वैसा बनायें ", यह कहने का मतलब है, कि आप पूरी तरह से यीशु के प्रति सर्म्पित जीवन जीने के लिए इच्छुक हैं।
- सर्म्पण बनाये रखना सरल नही है।

जब आप सर्म्पणों के बारे में बताते हैं, तब बच्चो से उन सम्पर्णो की सहभागिता करने को कहें जिनसे वे जुड़े हैं (खेल कूद, संगीत आदि) उनके सम्पर्णो का पालन करने मे क्या सरल और कठिन बाते हैं। यीशु का सर्म्पित अनुयायी होने का क्या मतलब है, इसे बतायें। वे किस प्रकार इससे भिन्न हैं ?वे किस प्रकार इसकी समानता मे हैं ?बच्चों को सच्चाई व खुलेपन से सहभागिता करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सम्पर्ण

क्या आपने सुना है?

पतरस सिद्ध नहीं था (लूका 22:54-62)

पतरस ने एक बार यीशु से कहा, "चाहे सब तेरा इनकार करें, लेकिन मै कभी ऐसा ना करूंगा। " यीशु जानते थे कि क्या होगा और उन्होने पतरस से कहा, ''मुर्गे के बांग देने से पहले महायाजक के घर के आंगन में जहॉ यीशु को क्रुस पर चढ़ाये जाने से पहले प्रश्न पूछे जा रहे थे वहां पतरस तीन बार उसका इनकार करेगा। जैसा यीशु ने कहा था ठीक वैसा ही हुआ । एक दासी ने पतरस को देखकर कहा, ''तुम भी यीशु के साथ थे।'' पतरस ने जवाब दिया, ''नही यह सच नहीं, पता तुम किसकी बात कर रही हो।'' फिर दूसरी दासी ने वहॉ जमा लोगों से कहा, "यह मनुष्य यीशु के साथ था'' और पतरस ने पुनः इनकार किया। थोड़ा समय बीत गया था और पतरस भयभीत तथा वास्तव में धबराया हुआ था। वह चाहता था कि लोग उसे ना पहचाने परन्तु फिर से ऐसा हुआ । "हम जानते हैं कि तू उनमे से एक है, तू गलीली लोगो की तरह बोलता है,"। पतरस ने कोसना तथा शपथ खाना शुरू किया और कहॉ, "मै उस मनुष्य को नही जानता हूँ।" परन्तु तभी ठीक वैसा ही हुआ जैसा यीशु ने कहॉ था।, "मुर्गे ने बांग दी।" अचानक पतरस को यीशु के वचन याद आऐ, और वह रोता हुआ वहॉ से भाग गया। वह जान गया था कि उसने ठीक वही किया था जैसा यीशु ने पहले से बता दिया था। और वह बड़ा परेशान हुआ। परन्तु क्या आप जानते हैं? यीशु ने पतरस को छोड़ा नहीं था। बाद में जब यीशु जी उठा था तब वह तिबरियास की झील के किनारे अपने कुछ शिष्यों के साथ नाश्ता कर रहा था, वहां यीशु ने पतरस से तीन बार पूछा, "पतरस क्या तू मुझसे प्रेम करता है? ''हर बार पतरस ने जवाब दिया हां प्रभु,'' आप जानते है कि मै आपसे प्रेम करता हूँ। और प्रत्येक बार यीशु ने कहॉ था, "मेरी भेड़ो को चरा"। यीशु चाहता था कि पतरस उसका शिष्य बनें तथा दूसरो को शिष्य बनाये। जबकि पतरस सिद्ध नही था। यीशु यह जानता था कि पतरस वास्तव में अपने प्रभु के रूप में उसके पीछे चलना चाहता था । पतरस ने दोबारा फिर कभी यीशु का इनकार नही किया था।

क्या आप कर सकते हैं ?

- अपने जीवन के प्रभु के रूप में यीशु के पीछे चलने का सम्पर्ण करें।
- अपने विचारो व कार्यो और इच्छाओं का पूरा नियंत्रण यीशु को देने के लिए समर्पित हों।
- यीशु को जानने दें कि संसार में किसी भी चीज से अधिक वह आपके लिए महत्वपूर्ण है, और आप चाहते हैं कि उसके पीछे चलें, उसकी आज्ञा मानें, और उसकी समानता में बढ़ते जाऐं।

सम्पर्ण

कार्य पुस्तिका

1. क्या आपको प्रार्थना की छठी पंक्ति – सम्पर्ण, याद है उसे नीचे लिखें ?

2. खाली स्थान भरें
यूहन्ना 13:13, तुम ..... और ..... कहते हो और .....
हो क्योंकि .....

3. यीशु के पीछे चलना, क्यों एक सम्पर्ण है ?

4. वे क्या कुछ बाते हैं जिनके प्रति आप सर्म्पित हैं ?

5. प्रतिक्रिया का समय: अपनी आखे बन्द करें और यीशु से कहें, "यदि मै आपका एक सर्म्पित अनुयायी बनता तो यह कैसा दिखेगा?" तब आप क्या कर रहे होगें ?यीशु जो आपको दर्शाता है उसका एक चित्र बनायें और अपनी कक्षा तथा अभिभावको के साथ उसकी सहभागिता करें।

समर्पण

यह एक गीत है

आप दिन भर के काम में अपनी माँ की मदद करें।

यह अच्छा है! यह अच्छा है!

आपका चुनाव एक खेल टीम में हो जाता है लेकिन आप खेलने जाना भूल जाते हैं

वह बुरा है! वह बुरा है!

आपने अपने एक दोस्त की अंग्रेजी की कक्षा में मदद की क्योंकि वो मेहनत कर रहा था

यह अच्छा है! यह अच्छा है!

आपने अपना पियानों का पाठ छोड़ा क्योंकि आप जाना चाहते थे

वह बुरा है! यह बुरा है!

आप के द्वारा किए गए सारे वादों का पूरा करना

यह अच्छा है! यह अच्छा है!

तो अपने सर्म्पणो पर अटल रहिए, और प्रार्थना करना याद रखें।

शिक्षक काले वाक्यों को पढने के द्वारा अगुवाई करता है और बच्चे नीले रंग में लिखे शब्दों को दोहराते हैं। इसके बाद कक्षा को उत्साहित करें कि वे एक समूह के रूप में अपना बनाया हुआ रैप गीत लिखें। उनके सुझावों को बोर्ड पर लिखें। जो रैप उन्होने लिखा है जब वे इससे उत्तेजित होते हैं उनके साथ आनन्दित हों।

निर्भरता

क्या आप कह सकते हैं ?

मुझे अपनी पवित्र आत्मा से परिपूर्ण करें।

यूह0 5:18 ब

मुझे अपनी पवित्र आत्मा से परिपूर्ण करें।

क्या आप ढूंढ सकते हैं?

प्रेरितों के काम 2:1–17

रोमियों 8:26,27

रोमियों 15:13

गलातियों 5:22–26

पवित्र आत्मा से भरने का क्या मतलब है ?

परमेश्वर पर निर्भर रहने का क्या मतलब है?

क्या आप अनुभव कर सकते हैं ?

आत्मा के फल क्या हैं ?

हम पवित्र आत्मा से कैसे परिपूर्ण हो सकते हैं?

निर्भरता

''पापकार्न प्रार्थना''

ब्रेक आऊट सत्र

इस प्रार्थना के द्वारा फिर से बच्चो की अगुवाई करें, "परमेश्वर मुझे अपनी पवित्र आत्मा से परिपूर्ण कर दीजिए"। बच्चों को इस प्रार्थना को दोहराने को कहें। उन्हे एक वाक्य की प्रार्थनाओ को करने के लिए उत्साहित करें जिसमें बच्चे कह सकें कि परमेश्वर उन्हें अपनी पवित्र आत्मा से परिपूर्ण करे और वह साधन बनाये जिसके द्वारा पवित्र आत्मा कार्य करे।

इसे बतायें।

- पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होने को आसानी से नही समझा जा सकता है।
- आपको परमेश्वर की पवित्र आत्मा पर निर्भर होने की आवश्यकता है जिससे कि वह आपको अपनी महिमा के लिए उपयोग कर सके।
- यीशु की अधिक समानता में बदलने के प्रति आपको पवित्र आत्मा से परिपूंर्ण होने की आवश्यकता है।
- जब आप यीशु के समान बनते हैं और पवित्र आत्मा से परिपूंर्ण होते हैं तब आप आत्मा का फल प्रगट करते हैं।
- परमेश्वर के आत्मा का फल जो आपके भीतर निवास करता है, प्रेम, आनन्द, शान्ति और धैर्य है।

इस पर परिचर्चा करें कि एक ऐसे मित्र अथवा सहायक को पाने का क्या मतलब है, जिस पर आप प्रतिदिन अपना मार्गदर्शक होने के लिए निर्भर कर सकते हैं। इस सम्बन्ध से आपको कैसा अनुभव होगा ? आत्मा के विभिन्न फलों पर परिचर्चा करें और बच्चों को यह बताने दें कि अन्य फलों के बजाये किस फल को प्रगट कर पाना उनके लिए कठिन होगा।

निर्भरता

क्या आपने सुना है ?

दिलासा देने वाला (यूहन्ना 14:15–31)

एक पल के लिए अपनी आँखें बंद करें, और अपने सबसे प्यारे दोस्त के बारे में सोचें। क्या आप उसका चेहरा देख पा रहे हैं? अब सोचिये वह व्यक्ति आप से कह रहा है, "मैं कल जा रहा हूँ यहाँ से बहुत दूर इतनी दूर, कि तुम वहां नही आ सकते हो। लेकिन डरो मत, मैं अपनी आत्मा यहा तुम्हारे पास छोड़कर जाता हूँ वह तुम से बात करेगी, और तुम्हारे साथ खेलेगी भी।" बेशक परमेश्वर के बाहर यह कभी नही होगा। लेकिन यह तब हुआ जब यीशु ने क्रूस पर अपने प्राणों को त्याग, दिये और पुनः जीवित होकर स्वर्ग में अपने पिता के दाहिने और बैठने के लिए उठा लिये गये। लेकिन उन्होने हमें कभी अकेला नही छोड़ा। यूहन्ना 14:16,17 यीशु ने कहा था " मैं पिता से कहूँगा वह तुम्हारे लिए एक मददगार भेजेगा, जो सदा तुम्हारे साथ रहेगा अर्थात सत्य का आत्मा।"

यीशु ने अपनी आत्मा को भेजा ताकि कलीसिया को अपना उद्देश्य प्राप्त करने में सहायता मिले। और यह एक बहुत ही खास दिन हुआ– पेन्तिकुस्त के दिन, एक तेज हवा आयी और उसने सबको पवित्र आत्मा से भर दिया। उसकी पवित्र आत्मा उनके सहायक, दिलासा देने वाले और मित्र के रूप में सदैव उनके साथ रहेगी।

क्या आप कर सकते हैं ?

- परमेश्वर की आत्मा पर निर्भर हो जाइऐ, फिर वह आपको मार्ग बताएगा, दिलासा देगा, और सिखाएगा भी।
- अपने पिता परमेश्वर से मांगे कि वह आपको अपनी पवित्र आत्मा से हर दिन परिपूर्ण करे।
- प्रार्थना करें कि आत्मा के फल आप में दिखाई दे,जिससे कि जो लोग आपके आस पास है उनके प्रति गवाही, आशीष और प्रोत्साहन हो।

निर्भरता

कार्य पुस्तिका

1. यह बहुत कठिन होता जा रहा है, लेकिन आप यह कर सकते हैं! क्या आपको प्रार्थना की सातवी पंक्ति – निर्भरता याद है ?उसे नीचे लिखें

2. खाली स्थान भरें

   इफिसियों 5:18 ब : .....

   ..... से ..... होते जाओ।

3. आत्मा के फलों का नाम लिखें।

   ....

   ....

   ....

4. सबसे मुश्किल और चुनौती भरा कौन सा फल है जिसे आप प्रदर्शित नही कर सकते हैं ?

   प्रार्थना करना इसमें कैसे सहायक हो सकता है ?

5. प्रतिक्रिया का समय

   कागज पर एक टोकरी का चित्र बनाये, विभिन्न रंगीन कागजो के उपयोग के द्वारा सन्तरा, सेब, केला, और जो भी चाहे वह फल काट कर बनाये। फिर उन्हे अपनी टोकरी पर चिपका दें और उसके नीचे गलातियों 5:22,23 लिखें। इसे आप लटका सकते हैं, जो आपको आत्मा से भरने के बारे में याद दिलाता रहेगा।

निर्भरता

यह एक गीत है

किरण ने निर्णय लिया कि वह अपने मित्रों को चर्च बुलाएगी।

आत्मा में? हां, हां, हां!

अजय ने अपनी परीक्षा के लिए पढ़ाई नही की ।

आत्मा में? ना, ना, ना !

सुनीता ने अपनी गवाही पूरी कक्षा के साथ बांटी ।

आत्मा में? हां, हां, हां!

मोहन ने अपने माता - पिता के आज्ञा का पालन नही किया क्योंकि वे उसे घर जाने को बोल रहे थे।

आत्मा में ? ना,ना,ना !

विनय ने अपनी माता के लिए प्रार्थना की क्योंकि वह बहुत बीमार थी।

आत्मा में ? हॉं, हॉं, हॉं!

पवन ने कुछ ले लिया, जबकि वह उसका नही था ।

आत्मा में ? ना,ना,ना !

ज्योति ने एक मिशनरी बच्चे को एक पत्र लिखा।

आत्मा में, और यह एक रैप है!

शिक्षक काले वाक्यों को पढ़ने के द्वारा अगुवाई करता है और बच्चे नीले रंग मे लिखे शब्दों को दोहराते हैं, इसके बाद कक्षा को उत्साहित करें कि वे एक समूह के रूप में अपना बनाया हुआ रैप गीत लिखें, उनके सुझावो को बोर्ड पर लिखें। जो रैप उन्होने लिखा है जब वे इससे उत्तेजित होते हैं तो उनके साथ आनन्दित हों।

प्रभाव

क्या आप कह सकते हैं?

मुझे अपने अनुग्रह, सत्य, और न्याय का एक साधन बनाएं।

यूहन्ना 1:14

और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी जैसे पिता के एकलौते की महिमा।

क्या आप इसे ढूंढ सकते हैं?

मत्ती 19:13-15

प्रेरितों के काम 2:16,17

लूका 18:15,17

क्या आप अनुभव कर सकते हैं?

परमेश्वर ने मुझे क्या वरदान दिए हैं ?

मैं परमेश्वर के अनुग्रह को कैसे दूसरों पर दर्शा सकता हूँ ?

सच और झूठ में क्या अन्तर है?

झूठ बोलना क्यों गलत है?

प्रभाव

"पापकार्न प्रार्थना"
ब्रेक आऊट सत्र

बच्चों की इस प्रार्थना में अगुवाई करें, **"मुझे अपने अनुग्रह, सत्य, और न्याय का एक साधन बनाएं।"**

बच्चों को एक वाक्य की प्रार्थनाऐ करने के लिए कहें जहां वे परमेश्वर से मागें कि अपने आस–पास के अन्य लोगों के प्रति उसके सत्य की सहभागिता करने और उसके अनुग्रह को दर्शाने के लिए वह उन्हें उपयोग करें।

यह बताएं !

- यीशु अपना न्याय प्रतिदिन दिखाते हैं, जब वह बीमारों को ठीक करते हैं या फिर गरीबों को मदद कर होते हैं।
- उन्हें इससे कोई फर्क नही पड़ता कि वे कौन थे– बुर्जुग, जवान, अमीर या गरीब।
- वे सभी की मदद करते थे।
- वह सभी के साथ न्याय संगत व्यवहार करते थे।
- वे प्रेम करते थे और प्रत्येक के प्रति अनुग्रहकारी थे।
- वे हमेशा सत्य बोलते थे। और उन्होने कभी भी झूठ नही बोला था।
- आप अपने परिवार, दोस्त और समुदाय के साथ न्याय दर्शाने में कैसे सहायता कर सकते हैं?

बच्चे न्याय के लिए क्या कर सकते हैं? उन्हें इन तरीको की सहभागिता करने को कहें। परिचर्चा करें कि सत्य बोलना कब कठिन हो सकता है। अपने हृदय में परमेश्वर के वचन को बसाना, कैसे सच्चाई से बोलने में आपकी सहायता कर सकता है।

प्रभाव

क्या आपने सुना है ?

यीशु और बच्चे (मत्ती 18:1,6)

एक दिन दोपहर के समय शिष्य, यीशु के चारों ओर बैठकर उससे बातें कर रहे थे । और जैसे कि हम कभी–कभी चिन्तित होते हैं कि घर में, स्कूल में या खेल के मैदान में कौन सर्वश्रेष्ठ है। शिष्य भी उस समय यही सोच रहे थे। उन्होने अपने सिर खुजाते हुए यीशु से पूछा, " हमें बतायें कि स्वर्ग के राज्य में कौन सबसे महत्वपूर्ण है? " मै सोचता हूँ, कि वे आशा कर रहे थे कि यीशु उनमे से किसी का नाम लेगा। यीशु जान गये कि वे क्या सोच रहे थे और उन्होने एक बच्चे को बुलाया और उससे कहा, "मेरे साथ खड़े रहो।" फिर उन्होने शिष्यों की आखों में देखकर एक अत्यन्त अद्भुत बात कही, ''जो कोई अपने को इस बालक के समान नम्र बनाता है वहीं स्वर्ग के राज्य में महान है"। और फिर उन्होंने इससे भी अधिक अद्भुत बात कही, ''जो कोई मेरे नाम से एक छोटे बच्चे को इस प्रकार से ग्रहण करता है वह मुझे ग्रहण करता है।'' यह अद्भुत है और आप यह जानते हैं कि जब यीशु ने यह कहा तो वास्तव में उसका यही अभिप्राय था, क्योंकि वह केवल सत्य ही बोलता था।

यीशु हमेशा न्याय की बात करता था। वह सदैव उन लोगों के साथ समय व्यतीत करता था जिन्हें, अधिकतर लोग प्रसिद्ध, महत्वपूर्ण नहीं समझते थे। वह निर्धनों की चिन्ता करता था। उसने बिमारों पर तरस खाया। दुखी लोगों को उसने शान्ति प्रदान की थी और सदैव बच्चों के साथ जिनकी बहुधा उपेक्षा की जाती थी समय व्यतीत करना उसे पसन्द था। यीशु ने कहा था, "यदि कोई व्यक्ति छोटे बच्चे को सताता है, तो उसके लिए भयानक होगा।" आप अनुभव कर सकते हैं कि परमेश्वर आपसे कितना अधिक प्रेम करता है और आपकी चिन्ता करता है? याद रखें, परमेश्वर आपको अपने अनुग्रह, सत्य और न्याय का प्रतिनिधी होने के लिए किसी भी आयु में उपयोग कर सकता है।

क्या आप कर सकते हैं ?

- परमेश्वर को अनुमति दें कि वह अनुग्रह, सत्य, और न्याय के उसके सन्देश की सहभागिता करने के लिए आपको उपयोग करे।
- अपने दिल में हमेशा सच बोलने का निर्णय लें।
- परमेश्वर के वचन को याद करें।

प्रभाव

कार्य पुस्तिका

1. क्या आपको प्रार्थना की आठवी पंक्ति – प्रभाव याद है ?इसे नीचे लिखें

2. खाली स्थान भरें

यूहन्ना 1:14:.....देहधारी हुआ; और ..... और.....से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, हमने ..... देखी जैसे .... की ..... ।''

3. क्या आपने कभी किसी ऐसे का स्वागत किया है जो आपके स्कूल, कलीसिया अथवा पड़ोस के लिए नया था ?यदि हॉ, तो उस घटना को बताइये जब आपने ऐसे व्यक्ति का स्वागत किया था ?यदि नही तो ऐसा करने का प्रयास करें। जितना अधिक आप यह करते हैं यह उतना ही आसान बनता जाता है।

4. क्या आप एक ऐसी घटना सोच सकते हैं जब आप एक कठिन परिस्थिति में पड़े हुये एक व्यक्ति को प्रभावित अथवा प्रेरित करने के योग्य हुये थे ?यदि ऐसा है, तो बतायें कि उस व्यक्ति ने आपकी सहायता के प्रति क्या प्रतिक्रिया की थी।

5. प्रतिक्रिया का समय:

अपने स्कूल, कलीसिया अथवा पड़ोस में जिस तरीके से आप एक नये छात्र का स्वागत कर सकते हैं, उसे एक चित्र द्वारा दर्शायें।

प्रभाव

यह एक गीत है!

मै सत्य के लिए आपका प्रतिनिधी बनना चाहता हूँ !

मैं चाहता हूँ , मैं चाहता हूँ!

मैं आपके अनुग्रह के शब्दों को बोलना चाहता हूँ !

मैं चाहता हूँ , मैं चाहता हूँ!

मैं आपके न्याय को अपने प्रतिदिन के जीवन में देखना चाहता हूँ !

मैं चाहता हूँ , मैं चाहता हूँ!

मैं ऐसे लोगों की मदद करना चाहता हूँ जिनके पास ज्यादा कुछ नहीं है !

मैं चाहता हूँ , मैं चाहता हूँ!

मैं ऐसे लोगों की मदद करना चाहता हूँ जिन्हें आदर नहीं दिया जाता !

मैं चाहता हूँ , मैं चाहता हूँ!

मैं प्रेम के लिये आपका प्रतिनिधी बनना चाहता हूँ।

शिक्षक काले वाक्यों को पढ़ने के द्वारा अगुवाई करता है और बच्चे नीले रंग में लिखे शब्दों को दोहराते हैं, इसके बाद कक्षा को उत्साहित करें कि वे एक समूह के रूप में अपना बनाया हुआ रैप गीत लिखें। उनके सुझावों को बोर्ड लिखें , जो रैप उन्होने लिखा है, जब वे इससे उत्तेजित होते हैं तो उनके साथ आनन्दित हों।

शिष्यता

क्या आप कह सकते हैं ?

अपनी महिमा के लिए और अन्य लोगों को आपके अनुसरण के प्रति आमन्त्रित करने के लिए मेरा उपयोग करें।

मत्ती 28:19

इसलिए तुम जाओ, और जाति-जाति के लोगों को चेला बनाओ, और उन्हे पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।

क्या आप ढूंढ सकते हैं?

मरकुस 16:15

यूहन्ना 17:4-5

रोमियों 10:13-17

कुलस्सियों 3:17

मिशनरी क्या है ?

एक शिष्य क्या है ?

क्या आप अनुभव कर सकते हैं ?

परमेश्वर की महिमा के लिए कुछ करने का क्या अर्थ है ?

वह कौन से तरीके हैं जिनसे हम दूसरो को यीशु के विषय में बता सकते हैं ?

शिष्यता

''पापकार्न प्रार्थना''
ब्रेक आऊट सत्र

बच्चों को प्रार्थना का नेतृत्व करने दें, प्रार्थना में कहें, **''आप मुझे अपनी महिमा के लिए इस्तेमाल करें ताकि मैं दूसरो को भी आपका अनुसरण करने के लिए आमंत्रित कर संकू।''** सभी बच्चे इस प्रार्थना को दोहराऐं। उन्हें एक पंक्ति में प्रार्थना करने को उत्साहित करें जिसमें वे अपनी यह इच्छा प्रगट करें कि परमेश्वर की महिमा और अन्य लोगों को यीशु का अनुयाई बनने के लिये आमंत्रित करने का साहस मिले।

यह बताएं!

- मिशनरी वे हैं जिन्हें परमेश्वर के द्वारा बुलाया गया है कि मसीह के वचन का प्रचार करें।
- उन्हें कई बार एक देश से दूसरे देश की यात्रा करनी पड़ती है, दूसरे देश की भाषा और संस्कृति को सीखना पड़ता है। यह परमेश्वर के प्रति त्याग और भक्ति का जीवन है।
- यीशु हमसे चाहते हैं, जहां कहीं भी हम रहते हैं वहां मिशनरी सेवक हों और स्कूल तथा घर में उसकी ज्योति बनें।

आप इस तरह से आरम्भ करना चाह सकते हैं, कि बच्चे अपनी कलीसिया से या पूरे संसार से जो वे जानते हैं उन मिशनरी कहानियों को बताएं। उन्हे उन तरीको के बारे में बोलने को उत्साहित करें जिनसे वे अपने परिवार और मित्रों के साथ यीशु की सहभागिता कर सकते हैं ।

शिष्यता

क्या आपने सुना है ?

तरतुस का शाऊल यीशु मसीह का एक प्रेरित, पौलुस बनता है। प्रेरितों के काम 9:1—22

यीशु मसीह और उसके अनुयायियों का शत्रु और उनसे घृणा करने वाला, आरम्भिक कलीसिया का एक महत्वपूर्ण अगुवा और सुसमाचार का मिशनरी सेवक बन गया था ।

यह तब हुआ था जब शाऊल (पौलुस) दमिश्क के मार्ग पर जा रहा था। स्वर्ग से एक चमकीली ज्योति चमकने के कारण वह भूमि पर गिर पड़ा। इससे वह अन्धा हो गया। शाऊल ने एक आवाज सुनी, "हे शाऊल, तू मुझे क्यों सता रहा है?" शाऊल ने पूछा, "हे प्रभु तू कौन है?" "मैं यीशु हूँ, जिसे तू सताता है।"

पौलुस डर गया और कॉपने लगा। अगले तीन दिनों तक वह नहीं देख पाया और ना कुछ खा पी सका। परमेश्वर के एक जन हनन्याह से परमेश्वर ने कहा, जा और जाकर शाऊल को ढूंढ। ''हनन्याह, मैं चाहता हूँ, कि तू जा कर उसकी दृष्टि वापस लाये। मैंने उसे अपने कार्य के लिए चुना है।'' हनन्याह को यह समझ में नहीं आया। उसने शाऊल के विषय में सुना हुआ था, और वह जानता था कि शाऊल मसीही नही है, लेकिन हनन्याह ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया।

परमेश्वर ने शाऊल को चंगा किया, और फिर शाऊल जहाँ कहीं भी गया वहाँ उसने यीशु के बारे में प्रचार करना और सिखाना आरम्भ किया जिससे बहुत से लोग यीशु के अनुयायी बन गये। शाऊल का नाम बाद में पौलुस रखा गया था। बाइबल, कलीसियाओं को लिखे गए पौलुस के पत्रों और शिक्षा से भरी हुई है। यीशु के लिए उसने संसार को उल्टा पुल्टा कर दिया था। जिसके लिए उसने सारी महिमा परमेश्वर को दी, और वह दूसरों को भी यही करना सिखाता रहा था।

क्या आप कर सकते हैं ?

- अपने हृदय से निर्णय करें कि आप जो कुछ भी करेंगे, परमेश्वर की महिमा के लिये करेगें।
- परमेश्वर से मिलने वाली अपनी अपनी प्रतिभा और क्षमता को पहचाने ।
- जो कुछ भी आप करते हैं वह यीशु के प्रति प्रेम का एक उपहार होना चाहिऐ।
- परमेश्वर का अनुसरण करने के लिए अन्य लोगों को निमन्त्रण देने में साहसी बनने के लिए परमेश्वर से सहायता मांगें।
- परमेश्वर से ऐसे अवसरों को प्रदान करने को कहें कि आप जहाँ कहीं भी जायें वहाँ उसके प्रेम की सहभागिता कर सकें।

शिष्यता

कार्य पुस्तिका

1. आप लगभग सब कर चुके हैं! क्या आपको प्रार्थना की नौवीं पंक्ति शिष्यता याद है उसे नीचे लिखिये।

2. खाली स्थान भरें

   मत्ती 28 : 19: जाओ और जाति-जाति ....बनाओ उन्हें .....
   .....के नाम से ..... दो। और जो ....
   ..... हैं उन्हे मानना सिखाओ।

3. एक मिशनरी क्या है ?

4. कैसे आप और हम मिशनरी बन सकते हैं और अपने पड़ोसियों को चेला बना सकते हैं?

5. प्रतिक्रिया समय :

   एक ऐसे व्यक्ति का नाम जो यीशु के विषय में नही जानता है एक कार्ड पर लिख लीजिऐ। प्रतिदिन उसके लिए प्रार्थना कीजिए। याद रखिऐ, परमेश्वर आपको उपयोग कर सकता है कि दूसरों को उसके प्रेम के बारे में बतायें।

शिष्यता

यह एक

मैं वास्तव में परमेश्वर का प्रेम करने वाला दिल चाहता हूँ

हाँ, हाँ!

मैं वास्तव में परमेश्वर की सेवा करने वाला दिल चाहता हूँ

हाँ, हाँ !

मैं जानता हूँ कि परमेश्वर मुझे छोटा होते हुऐ भी उपयोग कर सकता है

हाँ , हाँ !

मैं उसके असीम प्रेम की कहानी को बांटना चाहता हूँ

हाँ , हाँ !

मैं यीशु के नाम में जाना और शिष्य बनाना चाहता हूँ

हाँ, हाँ !

क्या आप मेरी मदद करेंगे यह सब करने मे ?

हाँ, हाँ !

आइऐ अपने पिता को जो स्वर्ग में है महिमा दें!

शिक्षक काले वाक्यों को पढ़ने के द्वारा अगुवाई करता है और बच्चे नीले रंग में लिखे शब्दों को दोहराते हैं। इसके बाद कक्षा को उत्साहित करें कि वे एक समूह के रूप में अपना बनाया हुआ रैप गीत लिखें, उनके सुझावो को बोर्ड पर लिखें। जब वे इससे उत्तेजित होते हैं, जो रैप उन्होंने लिखा है, तो उनके साथ आनन्दित हों।

अधिकार

क्या आप कह सकते हैं ?

मैं यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूँ। आमीन।

फिलिप्पियों 2:9

इस कारण परमेश्वर ने उसको अति महान भी किया और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में सर्वश्रेष्ठ है।

क्या होता यदि आप दुनिया के चलाने वाले हों ?

यीशु के नाम में क्यों सामर्थ है ?

क्या आप इसे ढूंढ सकते हैं ?

मत्ती 1:21

मत्ती 28:18

यूहन्ना 14:13

प्रेरितों के काम 4:12

क्या आप अनुभव कर सकते हैं ?

यह क्यों अच्छा है कि यीशु संसार का अधिकारी हैं?

हमें यीशु के नाम में क्यों प्रार्थना करनी चाहिये ?

अधिकार

"पापकार्न प्रार्थना" ब्रेक आऊट सत्र

प्रार्थना समय में बच्चों की अगुवाई करें कि वे यीशु के नाम में विनती करते हुए एक वाक्य की प्रार्थना करें। यह उनकी अपनी अथवा एक प्रिय जन की चंगाई के लिए हो सकती है, अथवा प्रेम करने में बढ़ने, अथवा एक विशेष तरीके से परमेश्वर द्वारा उपयोग किये जाने में उनकी सहायता के लिए हो सकती है।

यह बताएं!

- बाइबल बताती है, "स्वर्ग और पृथ्वी में सारा अधिकार मुझे दिया गया है।" जब हम यीशु के नाम में प्रार्थना करते हैं तब हमारे पास अधिकार होता है।
- सवाल यह उठता है क्या परमेश्वर हमारी सारी प्रार्थनाओं का उत्तर देते हैं जो हम यीशु के नाम करते हैं ?क्या इसका मतलब है कि परमेश्वर मुझे वह सब कुछ देंगे जो मुझे चाहिए ?
- हमारी प्रार्थना उन बातों पर केन्द्रित होनी चाहिये जिनसे स्वर्ग में हमारे पिता को महिमा मिलेगी और जो इस पृथ्वी पर उसका राज्य बढ़ेगा ।

बच्चों को खुले ढ़ँग से अपने प्रार्थना के जीवन की सहभागिता करने को कहें। क्या उन्हे प्रार्थनाओ के उत्तर का अनुभव हुआ है? क्या वे कभी इसलिए निराश हुए हैं जिस तरह से वे चाहते थे उस प्रकार उनकी प्रार्थनाओं के उत्तर नही मिले थे, अथवा कोई भी उत्तर नही मिला था?

अधिकार

क्या आपने सुना है ?

अन्धा बरतिमाई (मरकुस 10:46-52)

बरतिमाई अन्धा था, और भीख मांगा करता था, वह सड़क के किनारे यरीहो में रहता था, वह यीशु और उसके द्वारा किये गये आश्चर्यकर्मो को जानता था। उसने सुना था कि कैसे यीशु बीमारों को चंगाई देता था। बरतिमाई चाहता था कि यीशु उसे भी चंगाई दें। वह रोने लगा, "प्रभु यीशु, मुझ पर दया करें।'' उसके चारों ओर के लोगों ने उसे डॉटा और कहा, "चुप हो जा"। लेकिन वह बार–बार पुकारता था " यीशु मुझ पर दया करें"। यीशु ने कहा, ''उसे यहाँ बुलाओ। " भीड़ ने कहा, " खुश हो जा ! वह तुझे बुला रहा है!" बरतिमाई कूदते हुये उसके पास गया। यीशु ने कहा, "तुम मुझसे क्या चाहते हो?" बरतिमाई ने उत्तर दिया, "प्रभु मैं देखना चाहता हूँ। ''यीशु ने कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें चंगा किया"। और बरतिमाई ने उस पर विश्वास किया कि यीशु के पास वह शक्ति है जो लोगों को ठीक कर सकती है। आप सब अनुमान लगा सकते हैं कि बरतिमाई की खुशी का ठिकाना नही रहा होगा जब वह देखने लगा होगा। उसके अदभुत कामो की महिमा करते हुए उसने यीशु के पीछे चलना शुरू किया।

क्या आप कर सकते हैं?

- उन बातो पर अपनी प्रार्थना को केन्द्रित करें जिनसे आपके पिता परमेश्वर को महिमा मिले।
- परमेश्वर से यीशु के नाम से बुद्धि और मार्गदर्शन माँगें।
- परमेश्वर से यीशु के नाम से चंगाई और सामर्थ माँगें।
- अपने हृदय में विश्वास करें कि यीशु के नाम में शक्ति है।

अधिकार

कार्य पुस्तिका

1. बधाई हो! अब आप अन्तिम पंक्ति पर पहुंच गए हैं, क्या आपको प्रार्थना की अन्तिम पंक्ति, अधिकार, याद है इसे नीचे लिखिए।

2. खाली स्थान भरें

फिलिप्पियों 2:9 ''इस कारण परमेश्वर ने उसको ..... भी किया और उसको वह .... दिया जो ..... में ..... है।

3. बाइबिल की आज की कहानी पर सोचते हुऐ, आपके विचार से क्यों बरतिमाई ने यीशु के द्वारा चंगाई पाई थी? यदि यीशु ने बरतिमाई को सुना था तो क्या वह आपको भी सुन सकता है ?और जब यीशु आपको सुनता है तो जैसे उसने बरतिमाई की विनती का उत्तर दिया था वैसे ही क्या आपकी प्रार्थनाओं के भी वह उत्तर दे सकता है ?इसका उत्तर हाँ है! आप परमेश्वर से चंगाई, सामर्थ पाने अथवा अपनी तथा दूसरों की सहायता के लिए बिनती कर सकते हैं, चूंकि परमेश्वर प्रार्थना सुनता तथा उत्तर देता है !

4. प्रतिक्रिया समय:

अपने प्रार्थना निवेदनो को रखने के लिए खाली डब्बा या एक बक्सा या किसी भी आकार का दफ्ती का बक्सा चुन सकते हैं। आप बक्से को सजा सकते हैं अथवा केवल उस पर लिख सकते हैं: मेरा प्रार्थना बक्सा । अपनी प्रार्थना की विनतियों को लिख कर बक्से में रखें। प्रतिदिन उन प्रार्थनाओं को करें। जब परमेश्वर आपकी प्रार्थनाओं का उत्तर देता है तो अवश्य ही उसे भी लिख लें और उसको आपकी प्रार्थनाओ को सुनने तथा उनका उत्तर देने के लिए सदैव धन्यवाद दें!

अधिकार

यह एक

यीशु एक नाम है जो सब नामों में सर्वश्रेष्ठ है!

आमीन ! आमीन !

यीशु के नाम में सत्य और सामर्थ है!

आमीन ! आमीन !

यीशु के नाम में चंगाई और बल है!

आमीन ! आमीन !

यीशु के नाम में आशा और आनन्द है!

आमीन ! आमीन !

यीशु के नाम में अनुग्रह और शान्ति है!

आमीन ! आमीन 1

यीशु के नाम में सिद्ध प्रेम है!

आमीन ! आमीन !

आइऐ, सारी प्रार्थनाओं को यीशु के नाम से मांगते हैं!

आमीन ! आमीन !

शिक्षक काले वाक्यों को पढ़ने के द्वारा अगुवाई करता है और बच्चे नीले रंग में लिखे शब्दों को दोहराते हैं। इसके बाद कक्षा को उत्साहित करें कि वे एक समूह के रूप में अपना बनाया हुआ रैप गीत लिखें। उनके सुझावो को बोर्ड पर लिखें। जो रैप उन्होने लिखा है तो उनके साथ जब वे इससे उत्तेजित होते हैं आनन्दित हों!

मेरा प्रार्थना वाचा विवरण

नाम	तिथि

मेरा परिवार अथवा कलीसिया 40 दिन की प्रार्थना वाचा को कैसे अनुभव कर सकती है?

कलीसिया और परिवार एक साथ मिलकर प्रार्थना वाचा का अनुभव करें इसका सर्वोत्तम तरीका यह है कि प्रार्थना वाचा द्वारा प्रार्थना करने की जीवन शैली आरम्भ करनी चाहिए।

परिवार

बहुत से कारणो से एक परिवार के लिए एक साथ मिलकर प्रार्थना करना कठिन हो सकता है। जबकि प्रार्थना वॉचा एक साथ मिलकर प्रार्थना करने को सरल और आसान बनाती है।

कल्पना करें कि एक परिवार अपने भोजन समय को बच्चो की प्रार्थना वॉचा के साथ समाप्त करता है। सम्भवतः परिवार एक साथ मिलकर यह प्रार्थना कर सकता है, सम्भवतः परिवार में कोई बोलकर यह प्रार्थना करता है जबकि अन्य सदस्य मौन रहकर प्रार्थना करते हैं, सम्भवतः प्रार्थना की प्रत्येक पंक्ति को सदस्य एक–एक करके प्रार्थना करते हैं। रचनात्मक बने, हर रात अलग–अलग तरीके से प्रार्थना करें। ज़रूरी नहीं है कि यह प्रार्थना का लम्बा समय हो–इसे संक्षिप्त, सरल और सीमित बनाएं।

अवश्य ही, प्रार्थना से यह प्रश्न उत्पन्न हो अथवा आपको यह विचार करने की प्रेरणा मिले कि किन तरीको से परमेश्वर आपके परिवार में कार्य कर रहा है। अपने बच्चो की आत्मिक उत्सुकता के प्रति संवेदनशील रहें। जब स्वाभाविक रूप से बातचीत होती है तब एक साथ बिताए जा रहे समय में आत्मिक सच्चाईयों का आनन्द मिलकर लिया जा सकता है। सोने से पहले माता और पिता इस पुस्तक के बच्चे वाले भाग को एक साथ मिलकर पढ़े सकते हैं। बच्चा इसे पढ़कर आपको सुना सकता है। सम्भवतः हर रात आप बच्चो की प्रार्थना वाचॉ से भिन्न–भिन्न पद देखना चाह सकते हैं। इस पुस्तक के दूसरे भाग में शिक्षकों के लिए दी गई सामग्री से आपको रचनात्मक और नये तरीके मिल सकते हैं जिन पर आप सोने से पहले परिचर्चा करें।

अच्छा होगा कि आपके पास बच्चों की प्रार्थना वॉचा के अनेक कार्ड उपलब्ध हों। इन कार्डों को खाने और सोने के कमरे में रखें। आप हमारी वेवसाइट से www.theprayercovenant.org इन कार्डो को मंगा सकते हैं।

कलीसिया

हमारा दर्शन है कि सारी कलीसियाऐं प्रार्थना वॉचा को अपनाऐं। हमारे पास ऐसी सामग्रियां हैं जिनका उपयोग 6,9 अथवा 12 सप्ताह के अध्ययन श्रृंखलाओं में किया जा सकता है। रविवार की सुबह जब पास्टर प्रार्थना वॉचा के बारे में प्रचार करें तब छोटे समूह डा. जेरी किर्क के द्वारा संक्षिप्त प्रस्तुतिकरणों की वीडियो सीरीज और स्टिफन आयर के द्वारा परिचर्चा के प्रश्नों का उपयोग कर सकते हैं। जबकि पास्टर प्रार्थना वाचा पर प्रचार कर रहें हैं और छोटे समुह इसे वयस्क शिक्षा पृष्ठभूमि में उपयोग कर रहें हैं तब आपकी कलीसिया की बच्चों वाली सेवकाई, इस पुस्तक के द्वारा प्रदान किये गये साधनों का उपयोग करते हुए बच्चों को प्रार्थना वाचा के बच्चो वाले संस्करण को सिखा सकती है– बच्चों के लिए प्रार्थना वाचा की सामर्थ ।

इसके साथ ही आपकी सुविधा के लिए हमारे पास रंगीन कार्य पुस्तिकाएं उपलब्ध हैं जिन्हें आप अपने सन्डे स्कूल या वी. बी. एस. कार्यक्रमों में उपयोग करने के लिए मंगा सकते हैं।

यदि आपके पास्टर प्रार्थना वाचा सामग्री से परिचित नही हैं तो **www.theprayercovenant.org** पर बच्चों और वयस्कों दोनों के लिए प्रार्थना वाचा पुस्तकें, वयस्क और बच्चों के 10 प्रार्थना वाचा कार्ड, तथा अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध हैं।

निष्कर्ष

अनेक लकड़ियाँ एक साथ मिलकर तेजी से जलती हैं, इसी प्रकार से प्रार्थना वाचा की सामर्थ तब अधिक प्रवाहित होती है जब अनेक सदस्य एक दूसरे के लिए इसके द्वारा प्रार्थना करते हैं। इसी प्रकार से, जब एक पूरा परिवार एक साथ मिलकर प्रार्थना वॉचा में प्रवेश करता है जिसमें माता और पिता और बच्चे सम्मिलित हैं तब इसकी सामर्थ परिवार के भीतर और उसके बाहर भी प्रकाशित होती है।

www.theprayercovenant.org वेव साइट पर संसाधन उपलब्ध हैं।

मैं कैसे सहायता कर सकता हूं?

आपका योगदान अन्तर उत्पन्न कर सकता है!

आईये, बच्चो की प्रार्थना वाचा को जारी रखें-

भूमण्डल के चारों कोनों में इसे फैलाने में हमारी सहायता करें

40 दिन
की प्रार्थना
वाचा!
बच्चों के लिए